कोलफील्ड मिरर

CFM 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | रविवार 14 जुलाई 2024 | वर्ष– 7 | अंक– 1086 | पृष्ठ– 6 | RNI (TA)- 2022027633

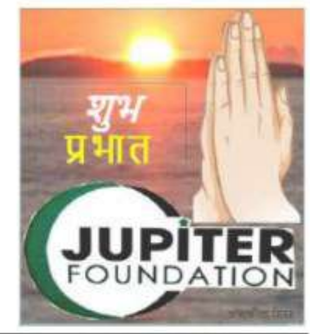

चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में सभी सीटे तृणमूल जीती

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (कोलकाता): पश्चिम बंगाल में चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के आज मतों की गणना हुई। शनिवार को हुई मतगणना में राज्य के सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। इस उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। विधानसभा उपचुनाव में टीएमसी प्रत्याशियों की जीत ने बीजेपी की रणनीति पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि ये सीटें पहले बीजेपी के पाले में थीं, लेकिन अब टीएमसी ने जीत दर्ज की है।

पश्चिम बंगाल की चार सीटों मानिकतला, बगदाह, राणाघाट दक्षिण और रायगंज विधानसभा सीट पर 10 जुलाई को उपचुनाव को हुए थे। रायगंज विधानसभा सीट पर टीएमसी के कृष्णा कल्याणी ने जीत दर्ज कर की है। कृष्णा कल्याणी ने बीजेपी के मानस कुमार घोष को 50077 वोटों के अंतर से हराया है। वहीं बगदाह सीट पर भी टीएमसी की मधुपर्णा ठाकुर ने जीत दर्ज कर की है। उन्होंने बीजेपी के बिनय कुमार बिश्वास को 33455 वोटों के अंतर से हराया है। राणाघाट दक्षिण विधानसभा सीट पर टीएमसी के मुकुट मणि अधिकारी ने जीत दर्ज कर की है। उन्होंने बीजेपी के मनोज कुमार बिश्वास को 39048 वोटों के अंतर से हराया है। मानिकतला विधानसभा सीट पर टीएमसी की सुप्ति पांडे ने जीत दर्ज की है। सुप्ति पांडे ने बीजेपी के उम्मीदवार कल्यान चौबे को हराया है।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने राणाघाट दक्षिण और बगदाह सीट पर जीत हासिल की थी। वहीं पिछले विधानसभा चुनाव में रायगंज सीट बीजेपी के खाते में गई थी। 2021 में मानिकतला सीट तृणमूल ने जीती थी, लेकिन फरवरी 2022 में राज्य के पूर्व मंत्री साधन पांडे का निधन हो जाने के कारण यह सीट खाली हो गई थी।

आज शनिवार को बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में 13 विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को हुए उपचुनाव की मतगणना हुई। लोकसभा चुनावों के ठीक बाद हुई इस सियासी गतिविधि पर पूरे देश की निगाहें बनी रहीं। इन उपचुनाव परिणामों में एनडीए को कुछ खास फायदा नहीं हुआ है। बीजेपी ने सिर्फ मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा और हिमाचल की हमीरपुर सीट पर ही जीत दर्ज की है।

4 विधानसभा सीटों के उपचुनव में जीत मिलने के बाद टीएमसी अध्यक्ष व सीएम ममता बनर्जी ने खुशी जाहिर की है। ममता बनर्जी ने कहा कि 4 में से 3 सीट भारतीय जनता पार्टी की थी, जो अब तृणमूल कांग्रेस ने जीती हैं। यह जीत जनता की जीत है। वह इस जीत पर प्रदेश की जनता को धन्यवाद करती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह 21 जुलाई को इस जीत को समर्पित करेंगी।

पश्चिम बंगाल के इतिहास की सबसे कम उम्र की विधायक, मधुपर्णा ठाकुर

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (कोलकाता): उत्तर 24 परगना जिले की बागदा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव को 25 वर्षीय मधुपर्णा ठाकुर ने जीत लिया है. निर्वाचन आयोग के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार मधुपर्णा ठाकुर ने उत्तर 24 परगना जिले की बागदा विधानसभा सीट पर भाजपा के अपने प्रतिद्वंद्वी बिनय कुमार बिश्वास को 33455 मतों से पराजित किया है. उन्हें कुल 1,07,706 वोट मिले. वह पश्चिम बंगाल के इतिहास की सबसे कम उम्र की विधायक होंगी.

मधुपर्णा ठाकुर ने जूलॉजी में ग्रैजुएशन किया है. वह मतुआ महासंघ के संस्थापक परिवार से हैं. यह मटुआओं का सबसे बड़ा संघ है. भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर की चचेरी बहन मधुपर्णा वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य और बनगांव से पूर्व लोकसभा सदस्य ममता बाला ठाकुर की बेटी हैं.

पिछड़ा वर्ग का मतुआ समुदाय विभाजन के बाद और 1971 के युद्ध के दौरान पड़ोसी बांग्लादेश से शरणार्थी के रूप में पश्चिम बंगाल आया था. 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से मतुआ मतदाताओं का भाजपा में विश्वास बढ़ना शुरू हुआ, जो पिछले चुनाव में भी कम नहीं हुआ है.

राणाघाट से भाजपा के वर्तमान लोकसभा सदस्य जगन्नाथ सरकार न केवल इस बार 1,86,899 मतों के अंतर से फिर से जीते, बल्कि अपना वोट शेयर भी 50.78 पर बनाए रखा. बनगांव में भाजपा के मौजूदा लोकसभा सदस्य और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर 73,693 वोटों के अंतर से फिर से चुने गए. वोटिंग प्रतिशत के मामले में ठाकुर का प्रदर्शन 48.19 रहा, जबकि तृणमूल कांग्रेस के उनके प्रतिद्वंद्वी विश्वजीत दास को 43.25 प्रतिशत वोट मिले.

उत्तर 24 परगना जिले के बागढ़ा विधानसभा सीट पर भाजपा के टिकट पर जीते बिश्वजीत दास विधायकी से इस्तीफा देकर तृणमूल के टिकट पर बनगांव लोकसभा सीट से खड़े हुए थे. मगर वह हार गए, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें दोबारा बागढ़ा विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाने की बजाय उपचुनाव में मधुपर्णा ठाकुर को टिकट दे दिया और वह जीत भी गईं.

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मधुपर्णा ठाकुर को टिकट देकर बड़ा दांव खेला था और उसमें सफल भी हो गईं. अब भाजपा के वोटर बन चुके मतुआ समाज के वोट काटने में उन्हें आसानी होगी और कम से कम यह एकतरफा तो वोट नहीं ही करेंगे. इससे आगामी विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को बड़ी राहत मिलेगी. इसे ममता बनर्जी का मास्टरस्ट्रोक भी कहा जा रहा है.

हाजरा पार्क दुर्गोत्सव समिति में खूटी पूजा के साथ उत्सव की हुई शुरुआत

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (कोलकाता): दक्षिण कोलकाता के हाजरा पार्क दुर्गोत्सव समिति में शनिवार को खूटी पूजा के साथ शरदकालीन उत्सव की शुरुआत हो गई। इस वर्ष जतिन दास पार्क (हाजरा क्रॉसिंग) में दुर्गापूजा के आयोजन की शुरुआत के लिए उल्टारथ यात्रा की पूर्व संध्या यानी शनिवार का शुभ दिन चुना गया है। शनिवार को विधिवत मंत्रोच्चारण से खूटी पूजा का आयोजन किया गया।

हाजरा पार्क दुर्गोत्सव समिति अपनी अभिनव अवधारणा और उत्सव शैली के लिए शहर की सबसे आकर्षक पूजा में से एक है।

यह पूजा कमेटी विशेष रूप से अपने पंडालों में दिखने वाली अनूठी शैली और समिति द्वारा वर्ष भर किए जाने वाले सामाजिक कार्यों के लिए प्रसिद्ध है।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति से आयोजन की रौनक बढ़ गई। इस मौके पर शोभनदेव चट्टोपाध्याय (कृषि मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार), देबाशीष कुमार (विधायक), सायन देब चटर्जी (संयुक्त सचिव, हजार पार्क दुर्गोत्सव समिति), त्रिना साहा (अभिनेत्री) के साथ समाज की कई अन्य प्रतिष्ठित हस्तियां इसमें शामिल हुए।

उल्टा रथ की पूर्व संध्या पर हाजरा पार्क दुर्गोत्सव समिति में ढाक के साथ प्रसिद्ध व्यक्तित्वों की उपस्थिति में खूटी पूजा के साथ दुर्गापूजा की तैयारियों की शुरुआत हुई। इस वर्ष, यह उत्सव भव्यता और रचनात्मकता के साथ अपने 82वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। जो सभी उपस्थित लोगों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव का साक्षी बनेगा।

मीडिया से बात करते हुए हाजरा पार्क दुर्गोत्सव समिति के संयुक्त सचिव सायन देब चटर्जी ने कहा, पिछले साल "81वें वर्ष की बड़ी सफलता के बाद जिसमें "तीन चाकार गोलपो" थीम पर हमें कई पुरस्कार मिले। हाजरा पार्क दुर्गोत्सव समिति की पूरी टीम इस वर्ष भी भव्य आयोजन के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमें विश्वास है कि इस वर्ष भी यहां आनेवाले दर्शकों के लिए हमारे मंडप की भव्यता उनके लिए यादगार पल साबित होगा। हमारा दृढ़ विश्वास है कि हमारे प्रयास की दर्शक भरपूर सराहना करेंगे। उन्होंने सभी को परिवार और दोस्तों के साथ पूजा में आने के लिए आमंत्रित किया।

पत्र मंजूषा की भूली बिसरी यादें

विकास प्रसाद

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (सांकतोड़िया): पत्र मंजूषा को देखकर लोगों की वह इच्छा अब जाग्रत नही होती जो पहले हुआ करती थी। अब ऐसा लगता है जैसे कि स्वयं पत्र मंजूषा ही उन दिनों की याद कर आंसू टपका रहा हो कि कोई आये और उसका दरवाजा खटखटाये।

डिसरगढ़ सब पोस्ट ऑफिस के बाहर लगी पत्र मंजूषा को देखकर उन दिनों की यादें जाग उठती हैं जब हमें अपने प्रिय जनों के हाल चाल जानने की मनमें तीव्र उत्कंठा हिलोरें लिया करती थी, उनकी चिट्ठियों की आशा लगी रहती थी।

अब तो खो गई वो चिट्ठियाँ जिनमे लिखने के सलीके छुपे होते थे। कुशलता की कामना से शुरू होकर बड़ों के चरणस्पर्श पर ख़त्म होते थे और बीच में लिखी होती थी जिंदगी! नन्हें के आने की खबर मां की तबियत का दर्द और पैसे भेजने का अनुनय।

फसलों के अच्छा या खराब होने की वजह! कितना कुछ सिमट जाता था एक नीले से कागज में। जिसे नवयौवना भाग कर सीने से लगाती और अकेले में आंखों से आंसू बहाती! मां की आस पिता का संबल बच्चों का भविष्य और गांव का गौरव थी ये चिट्ठियाँ! कई कई बार छू कर चिट्ठी को अनपढ़ भी एहसासों को पढ़ लेते थे!

पर अब तो स्क्रीन पर अंगूठा दौड़ता है जैसे सब कुछ सिमट गया छै इंच में। जज्बात मैसेजों में सिमट कर रह गए हैं। पत्र मंजूषा भी सिमट गया है बाहर खड़ा रहकर बीते दिनों की यादों को कुरेदने के लिए। पोस्ट आफिस के एक पूर्व कर्मी ने बताया कि आज चिट्ठियां आती हैं पर बहुत कम, लगभग सिर्फ सरकारी, आमलोग तो चिट्ठियां लिखना ही जैसे भूल गए हैं।

तभी तो सब पोस्ट ऑफिस के बाहर खड़ा यह पत्र मंजूषा (लेटर बॉक्स) अपने बेकारी पर आंसू छलका रहा है। बगल में सजा कर रखी गई ईंट और सामने सजी दुकान अब इसकी उपयोगिता को दर्शाते नजर आ रहे हैं।

एआईडीएसओ के सम्मलेन में गूंजी शिक्षा के अधिकार की गूंज

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (खड़गपुर): एआईडीएसओ का 10वां पूर्व मेदिनीपुर उत्तर संगठनात्मक जिला छात्र सम्मेलन शनिवार को पूर्व मेदिनीपुर जिले के महिषादल स्थित रवीन्द्र पाठागर हॉल में आयोजित किया गया।

सम्मेलन की शुरुआत में चार सौ से अधिक छात्रों का एक जुलूस सतीश सामंत स्टेशन से महिषादल राज कॉलेज तक मार्च किया और रवीन्द्र पाठक हॉल में समाप्त हुआ। संगठन के राज्य सचिव विश्वजीत रॉय ने वहां संगठन का झंडा फहराया। एसयूसीआई (सी) के राज्य नेतृत्व के साथ एसयूसीआई (सी) के पूर्व संगठनात्मक जिला सचिव प्रणब माईती ने शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की।

एसयूसीआई (सी) पार्टी के पूर्व मेदिनीपुर उत्तर संगठनात्मक जिले के सचिव प्रणब मा ईती ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित किया। इसके अलावा संगठन के राज्य सचिव विश्वजीत रॉय, राज्य कोषाध्यक्ष सुरजीत सामंत, राज्य सचिव परिषद के सदस्य अभिषेक देवनाथ ने आने वाले दिनों में जिले भर में दरबार आंदोलन बनाने का आह्वान किया। सम्मेलन में संगठन की राज्य सचिवमंडल सदस्य तनुश्री बेज भी मौजूद रहीं। सम्मेलन की अध्यक्षता एआईडीएसओ पूर्व मेदिनीपुर उत्तर संगठनात्मक जिला संयोजक निरुपमा बख्शी ने की।

इस अवसर पर शिक्षा, संस्कृति एवं मानवता की रक्षा के लिए महात्मा गांधी विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर पूर्ण रूप से पठन-पाठन प्रारंभ कराने, एकादश और 12वीं कक्षा में सेमेस्टर प्रणाली को समाप्त करने, सभी रिक्तियों पर भ्रष्टाचार मुक्त शिक्षकों की नियुक्ति, राज्य भर के 827 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों को बंद करने का निर्णय रद्द करने, तीन साल के बजाय चार साल के डिग्री पाठ्यक्रम को रद्द करने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति' 20 जिसमें छात्र 2023 रद्द करने सहित कई मांगें की गई।

सम्मेलन के माध्यम से, 25 सदस्यों की एक मजबूत जिला समिति और 37 जिला परिषद सदस्यों की एक समिति का चुनाव किया गया, जिसके अध्यक्ष शुभजीत अधिकारी और सचिव निरुपमा बख्शी थे। नई कमेटी ने शिक्षा-संस्कृति-मानवता की रक्षा का संकल्प लेते हुए जिले भर में और अधिक दरबार छात्र आंदोलन खड़ा करने की शपथ ली। सभी छात्र विनाशकारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को तुरंत रोकने चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने का विरोध, राज्य के 827 सरकारी स्कूलों को बंद करने की साजिश को रोकने, तत्काल छात्र संसद चुनाव की मांग और एक मजबूत छात्र के लिए आने वाले दिनों में आंदोलन. सम्मेलन के नेताओं ने आगे आने का आह्वान किया।

कोलकाता नगरनिगम के बिल्डिंग कानून में कुछ संशोधन, एक-डेढ़ कट्टा जमीन पर भी बना सकेगे मकान

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (कोलकाता): महानगर में अब एक-डेढ़ कट्टा जमीन पर भी मकान बनाया जा सकेगा. इसके लिए निगम के बिल्डिंग कानून में कुछ संशोधन किया जायेगा. यह जानकारी कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने दी. आम तौर पर भवन निर्माण के दौरान सामने के हिस्से में चार फीट और इमारत के पिछले हिस्से में छह फीट जमीन छोड़ी जाती है, पर छोटी जमीन में इतनी नहीं छोड़ी जा सकती है.

इसलिए छोटी जमीन पर कम से कम जमीन छोड़नी पड़े, इसके लिए निगम के बिल्डिंग कानून में संशोधन किया जा रहा है. मेयर ने बताया कि इसे लेकर कानून में संशोधन के लिए हमने कुछ प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा था, पर राज्य सरकार की हाईपावर कमेटी निगम के उस प्रस्ताव में सुधार करने को कहा था, जिसमें सुधार कर लिया गया है.

अब इसे दोबारा राज्य सरकार को भेज दिया जायेगा. मेयर ने कहा कि इससे अवैध निर्माण पर रोक लगेगी. उन्होंने बताया कि कुछ मामलों में एक मंजिली इमारत को दो मंजिली भी करने की अनुमति दी जायेगी, पर इसके लिए निगम में आवेदन करना होगा. उन्होंने बताया कि निगम की ओर से भेजे गये प्रस्ताव को अगर राज्य सरकार की अनुमति मिल जाती है, तो निगम द्वारा नोटिफिकेशन जारी किया जायेगा, पर इस नये कानून को लागू करने में कुछ समय लगेगा. उन्होंने कहा कि हम कानून को और अधिक सरल बनाकर लोगों को सुविधा देने का प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि पूरी बिल्डिंग के 10 फीसदी से अधिक हिस्से पर निगम की बगैर अनुमति के नया निर्माण किये जाने पर उसे अवैध माना जायेगा और उस अवैध हिस्से को ही तोड़ा जायेगा.

कोलकाता में अवैध निर्माण को तोड़ने के दौरान पुलिस के सामने निगम के इंजीनियरों पर हमले किये जा रहे हैं. दो जगहों पर इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं. ऐसे में इस संबंध में मेयर ने बताया कि अवैध निर्माण को तोड़ने का कार्य जारी रहेगा. पुलिस के साथ मिल कर और कठोरता के साथ हम इस कार्य को करेंगे. वहीं, इंजीनियरों को रोके जाने के खिलाफ मेयर खुद कोलकाता पुलिस के कमिश्नर को पत्र लिखेंगे. ताकि दोबोरा इस तरह की घटना ना हो.

जामुड़िया के ईकड़ा में जर्जर सड़क की जायजा लेने पहुंची जिला प्रशासन की टीम

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (जामुड़िया): जामुड़िया चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं कारखाने के अधिकारियों के निवेदन के बाद निरीक्षण करने पहुंचे जिला कार्यालय से अधिकारी। पिछले महीने इकड़ा औद्योगिक इलाके में स्थित सड़क कि अवस्था जर्जर के संदर्भ में जिला शासक से निवेदन किया गया था।

शुक्रवार शाम को जिला कार्यालय से एक अधिकारी इकड़ा औद्योगिक रास्ते का निरीक्षण करने पहुंचे। मौके पर जामुड़िया चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सचिव महेश कुमार सांवड़या के अलावा कई कारखाने के प्रतिनिधि मौके पर मौजूद रहे। इस दिन आए अधिकारी ने इलाके में स्थित सड़क का निरीक्षण किया।

इस संबंध में जामुड़िया चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सचिव महेश कुमार सांवड़या ने बताया कि इकड़ा औद्योगिक क्षेत्र की सड़क वर्तमान समय में काफी जर्जर हो चुकी है। इस संबंध में उन्होंने कुछ दिन पहले जिला शासक से जर्जर सड़क के संदर्भ में बताया था।

आज जर्जर सड़क एवं इलाके का निरीक्षण करने जिला कार्यालय से एक अधिकारी पहुंचे थे।

इकड़ा औद्योगिक क्षेत्र में कुल पांच कारखाने स्थित है उसके अलावा आसपास कई गांव भी मौजूद है। उस इलाके की सड़क बहुत ज्यादा जर्जर है। सभी लोगों ने सड़क मरम्मत, सड़क किनारे ड्रेन एवं स्ट्रीट लाइट जैसे मुद्दे पर आवेदन किया है।

चिनपाई स्टेशन पर आंदोलनात्मक घटना के बाद गिरफ्तारी

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (आसनसोल): रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने 12.07.2024 को चिनपाई स्टेशन पर यात्री आंदोलन और पथराव की घटना के सिलसिले में शेख लादेन को गिरफ्तार किया। 03579 अंडाल-साईंथिया मेमू ट्रेन को 12.07.204 को 15:01 बजे से 15:50 बजे तक चिनपाई स्टेशन पर रोका गया, क्योंकि यात्री आंदोलन के कारण दुबराजपुर और चिनपाई के बीच आलम बाबा मजार मेले के लिए ट्रेन को रोकने की मांग कर रहे थे। आरपीएफ और जीआरपी ने स्थिति को तुरंत संभाला और सभी यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित की, जिससे ट्रेन 15:50 बजे ट्रेन की आगे की परिचालन सेवा फिर से शुरू हो सकी। घटना के बाद, कानून प्रवर्तन एजेंसियां सक्रिय रूप से कार्रवाई करते हुए तलाशी कार्य जारी कर गिरफ्तारियां कर रही हैं, शेख लादेन की गिरफ्तारी रेलवे यात्रियों के लिए जवाबदेही और संरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डीएवी मॉडल स्कूल में वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (रानीगंज): शनिवार को डीएवी मॉडल स्कूल के सभागार में दसवीं और बारहवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए विशेष कार्यक्रम 'आरोहण' का आयोजन किया गया। 'आरोहण' सफलता के शिखर तक पहुँचने के लिए वर्षभर छात्रों के द्वारा किए गए निरंतर प्रयास और उन्नति का प्रतीक है।

बृजेंद्र प्रताप सिंह (प्रभारी निदेशक, बर्नपुर-दुर्गापुर स्टील प्लांट) ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कबी दत्ता (अध्यक्ष, आसनसोल-दुर्गापुर विकास प्राधिकरण) और ए.के. आज़ाद इस्लाम (आयुक्त, डीएमसी, सिटी सेंटर, दुर्गापुर) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अन्य अतिथियों में डीएवी प्रबंधन समिति के सदस्य और डीएवी पश्चिम बंगाल शाखा के विभिन्न प्राचार्य शामिल थे।

आमंत्रित अतिथियों का तिलक लगाकर और पौधा प्रदानकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री मंत्र के जाप के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के 'कोयर ग्रुप' के विद्यार्थियों द्वारा उद्घाटन गीत के साथ हुई। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्य और पश्चिम बंगाल डीएवी संस्थान की क्षेत्रीय अधिकारी पापिया मुखर्जी ने अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद किया। दसवीं और बारहवीं के सीबीएसई बोर्ड-परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्होंने विद्यालय की वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत की। कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में उपस्थित होने वाले 391 विद्यार्थियों में से 142 ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जिसमें सबसे अधिक 98.8 प्रतिशत था, जबकि कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उपस्थित होने वाले 565 छात्रों में से 105 ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जिसमें स्कूल टॉपर ने वाणिज्य संकाय में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, इसके बाद विज्ञान संकाय में 96.8 प्रतिशत और मानविकी संकाय में 96.4 प्रतिशत उच्चतम प्रतिशत रहा।

अपने भाषण में पापिया मुखर्जी ने कक्षा 10वीं और 12वीं के सीबीएसई बोर्ड-परिणामों के अलावा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, खेल, सह-पाठयक्रम विषयों में विद्यार्थियों की सफलता पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे न केवल पढ़ाई में बल्कि खेल या अन्य सह-पाठयक्रम गतिविधियों के स्तर को सुधारने का प्रयास करें, ताकि छात्रों का पढ़ाई में उत्साह कभी न खोए। स्कूल अपनी प्रतिभा को विकसित करने के लिए आदर्श स्थान है।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सामग्रिक विकास हेतु अग्रणी रहा है और आगे भी भारत के भविष्य के नागरिकों को वैश्विक मंच पर खड़ा करने के लिए अथक प्रयास करेगा। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अभिभावकों, शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों के सहयोग को दिया।

अतिथियों ने अपने भाषणों में सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों का प्रदर्शन, उनका अनुशासन प्रशंसनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि अभिभावकों को छात्रों पर अपनी राय नहीं थोपनी चाहिए। विद्यार्थियों में छिपी जन्मजात प्रतिभा को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास होना चाहिए।

अपने भाषण में मुख्य अतिथि ने कहा कि सफलता के साथ-साथ असफलता को भी स्वीकार करना चाहिए। हम हर दिन हर पल सीख रहे हैं, और यह सीख हमें एक नई राह दिखाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि छात्र सभी का आशीर्वाद ले रहे हैं, यह हमारे देश की संस्कृति है, इसलिए उन्हें पाठ्यक्रम की शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की शिक्षा को भी नहीं भूलना चाहिए।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने "विजय की प्रतिध्वनि" शीर्षक के अंतर्गत रंगारंग मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने बड़े कौशल के साथ नृत्य, कोरल संगीत आदि का प्रदर्शन किया और दर्शकों की सराहना अर्जित की।

बाद में अतिथियों ने 'पिक्चर परफेक्ट स्टेज' पर मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान किए।

इस खास दिन पर स्कूल की वार्षिक पत्रिका 'स्मृति' का लोकार्पण विद्यालय की प्राचार्य और पश्चिम बंगाल डीएवी संस्थान की क्षेत्रीय अधिकारी पापिया मुखर्जी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रानीगंज की छात्रा बैडमिंटन प्रतियोगिता में उप रनर चैंपियन बनी

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (रानीगंज): अवानी झुनझुनवाला ने काउंसिल ऑफ द इंडियन स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट की प्रतियोगिता में डबल में रनर का अवार्ड प्राप्त किया। उनके साथ आसनसोल एजी चर्च स्कूल की छात्रा अग्रिम सरकार उसके पार्टनर के रूप में खेल रही थी। रानीगंज में अवानी झुनझुनवाला का जोरदार स्वागत किया गया। पूरे भारतवर्ष बैडमिंटन एसोसिएशन के खेल प्रेमी रानीगंज के रहने वाले अनूप गुप्ता ने कहा कि काफी हर्ष का विषय है रानीगंज की लड़की ने नोर्थ बंगाल एवं नॉर्थ ईस्ट आईसीएसई बोर्ड स्कूल के द्वारा आयोजित बैडमिंटन टूर्नामेंट में वर्ष 2024 की उप चैंपियन बनी है यह टूर्नामेंट दार्जिलिंग में आयोजित हुआ था। रानीगंज में पहुंचते ही खेल प्रेमियों ने उनका जोरदार स्वागत किया अनूप गुप्ता ने कहा कि बैडमिंटन खेल में यह लड़की की प्रतिभा पूरे भारतवर्ष के लोगों ने देखी आने वाले समय में बैडमिंटन खेल में पूरे भारतवर्ष में इनका परचम लहराएगा यही शुभकामनाएं एवं आशा है हम लोगों को। आवनी के पिता अभिषेक अपनी पुत्री पर नाज कर रहे हैं।

आर्ट ऑफ लिविंग पश्चिम बंगाल और सिक्किम राज्य के एपेक्स बोर्ड सदस्य के जन्म दिन पर आश्रम में लगाये गए पांच सौ पौधे

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (रानीगंज): अंडाल ब्लॉक के काजोरा मोड स्थित आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर जी के बंगाल आश्रम में मेघा पौधा रौपन कार्यक्रम आयोजित की गई, आर्ट ऑफ लिविंग पश्चिम बंगाल और सिक्किम के एपेक्स बोर्ड सदस्य सुमित बंद्योपाध्याय के जन्म दिन पर आश्रम में पांच सौ के लगभग पौधे रौपन किया गया,

इस अवसर पर एसडीएम दुर्गापुर सौरभ चटर्जी, डीएफओ अनुपम खां, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के एपेक्स बोर्ड सदस्य सुमित बंद्योपाध्याय, आर्ट ऑफ लिविंग के सुशील सिंह, शयाम नारायण जैसवाल, जिम्मी मेहरा तथा समस्त सदस्य गण उपस्थित रहे.

इस अवसर पर एसडीएम सौरभा चटर्जी ने कहा मैं आर्ट ऑफ लिविंग के पश्चिम बंगाल और सिक्किम के एपेक्स बोर्ड सदस्य सुमित बंद्योपाध्याय को दिल से बधाई देता हूं, जिन्होने अपने जन्म दिन पर पांच सौ के लगभग पौधे लगाने का संकल्प लिया है, देश में पौधा लगाना कितना जरुरी है यह तो हम सभी को पता होना चाहिए पौधा नही लगा तो पृथ्वी का संतुलन बिगड सकता है, पृथ्वी का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधा रौपन बहुत जरुरी है.

डीएफओ अनुपम खां ने कहा मैं पहले सब-डिविजनल में ढेड लाख पौधा लगाने और वितरण करने का निर्णय लिया हूं एक दो दिन के अंदर शुरु होगा. आर्ट ऑफ लिविंग के बंगाल आश्रम में सुमित बंद्योपाध्याय ने जो पांच सौ पौधे लगाने जा रहा है, यह सराहनीय प्रयास है.

पूरा परिवार शिक्षा के क्षेत्र में परचम लहरा रहा है

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (रानीगंज): चार्टर्ड अकाउंटेंट में पूरे पश्चिम बंगाल के ख्याति प्राप्त सुनील कुमार बुचासिया की पुत्री हर्षिता बूचसिया ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में जबरदस्त सफलता हासिल की है। हर्षिता ने बताया कि उनके पिता पूरे पश्चिम बंगाल में जाने-माने चार्टर एकाउंटेंट के रूप में पहचाने जाते हैं, पापा की प्रेरणा एवं उनकी बड़ी बहन शिवानी नेत्र रोग कोलकाता सागर दत्ता से ऑरथ मे आंखों की स्पेशलिस्ट एम एस कर रही हैं, उनकी भी प्रेरणा से मुझे सफलता मिली है। इसके अलावा प्रतिदिन 8 से 10 घंटा की पढ़ाई की है मैंने। कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से पहले 2 वर्ष किसी बड़े भारत के प्रतिष्ठान में काम करूंगी उसके बाद अपने पापा के साथ प्रैक्टिस में अपनी भूमिका निभाऊंगी।

उन्होंने बताया कि सफलता का श्रेय उनकी मां का प्यार एवं समर्पण एवं उसका छोटा भाई जो अमेरिका में पायलट का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है सभी का सहयोग उनकी सफलता को जाता है। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की तरफ से छात्रा की सफलता पर उन्हें बधाई संदेश मिल रहा है।

क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (रानीगंज): लायंस डीएवी पब्लिक स्कूल में क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यशाला का शीर्षक कला एकीकरण आर्ट इंटीग्रेशन था और इसके लिए संसाधक काकोली बागची और श्रृजनी दत्ता थी। कार्यशाला की शुरुआत प्राचार्य मंदिर दे ने संस्धाक से परिचय कराते हुए कार्यशाला के महत्व एवं उद्देश्यों से परिचित कराया। संसाधक कार्यक्रम के दौरान की जाने वाली विविध गतिविधियों को व्याख्यायित किया। कला एकीकरण के अंतर्गत कार्यशाला में पाठ्यक्रम के अन्य विषयो के साथ कला को एक एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया गया। कला एकीकरण रचनात्मक सोच समस्या समाधान कौशल और विभिन्न विषयों के गहरी समझ को बढ़ाता है। कला एकीकरण विचारों पर चर्चा की गई। यह छात्र और प्रेरणा को बढ़ाता है, अंतर विषयक शिक्षा को बढ़ावा देता है, और महत्वपूर्ण सोच और विश्लेषणात्मक कौशल में सुधार करता है और समग्र विकास को प्रोत्साहित करता है। कार्यशाला में विज्ञान, गणित, इतिहास और साहित्य जैसे विषयों में कला को सहाजता से एकत्रित करने के लिए प्रभावी रणनीतियों और दृष्टिकोण पर चर्चा की गई। प्रतिभागी विभिन्न व्यावहारिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। इन गतिविधियों में कला परियोजनाएं, समूह चर्चाएं और समुह चर्चाए शिक्षण अभ्यास शामिल थे। शिक्षकों ने कला एकीकरण में अपने अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया। कार्यशाला की गतिविधियों और चर्चाओं को अपनाया कार्यशाला सभी उपस्थित लोगों के लिए एक समृद्ध अनुभव था विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी ने इसे एक सफल आयोजन बनाया। अंत में शांति पाठ के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

ओडीएम एजुकेशनल ग्रुप के 142 शिक्षक शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्कूल इनोवेशन एम्बेसडर के रूप में प्रमाणित

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (रानीगंज): ओडीएम एजुकेशनल ग्रुप के 142 शिक्षकों को भारत के शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्कूल इनोवेशन एम्बेसडर के रूप में प्रमाणित किया गया है। इन शिक्षकों ने सफलतापूर्वक स्कूल इनोवेशन एम्बेसडर प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया, जो डिज़ाइन थिंकिंग और उद्यमशीलता कौशल को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

यह प्रशिक्षण पाँच व्यापक मॉड्यूल्स में विभाजित था: डिज़ाइन थिंकिंग और नवाचार, विचार उत्पन्न करना और मार्गदर्शन, उद्यमशीलता और प्रोटोटाइप विकास, बौद्धिक संपदा अधिकार, और वित्त, बिक्री एवं एचआर. ओडीएम एजुकेशनल ग्रुप के संस्थापक डॉ. सत्यब्रत मिनाकेतन ने कहा, "यह प्रमाणन हमारे शिक्षकों की निष्ठा और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ये शिक्षक अब हमारे छात्रों में नवाचार और उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सुसज्जित हैं।"

ओडीएम सफायर ग्लोबल स्कूल के प्रधानाचार्य अमित सिंह ने कहा, "यह प्रशिक्षण हमारे लिए परिवर्तनकारी रहा है।

हमने नई शिक्षण विधियों को अपनाया और इन सिद्धांतों को दैनिक शिक्षण में एकीकृत किया।

यह प्रमाणन ओडीएम एजुकेशनल ग्रुप की शिक्षा में उत्कृष्टता और नवाचार की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। प्रमाणित शिक्षक अब डिज़ाइन थिंकिंग और उद्यमशीलता कौशल को पाठ्यक्रम में एकीकृत करने के लिए तैयार हैं, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए छात्रों को तैयार करेंगे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

दामोदर नदी में स्नान के दौरान सेल्फी लेने में डूबी तीन युवती

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (अंडाल): शनिवार की सुबह अंडाल ब्लाक अंतर्गत मदनपुर ग्राम पंचायत अधीन दामोदर नदी के बासका घाट में तीन युवतियां स्नान करने आयी थी। स्नान के दौरान सेल्फी और रिल्स बनाकर चक्कर में तीनो डूब गयी। स्थानीय लोगो की मद्द से दो युवतियों को दामोदर नदी से निकाला गया। जबकि एक युवती अभी भी लापता है। दो युवतियों को स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। जहां डाक्टरो ने एक युवती को मृतक घोषित कर दिया। जबकि अन्य एक युवती का इलाज अस्पताल में चल रहा है। अंडाल ब्लाक के 12 नंबर का॑लोनी के रहने वाले डब्ल्यू प्रसाद के घर रांची से उनकी दो भांजी आयी थी। इनके नाम प्रियंका कुमारी एवं ब्यूटी कुमारी है। इसदिन प्रिंयका और ब्यूटी कुमारी और ज्योति कुमारी स्नान करने के लिए दामोदर नदी गयी थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि स्नान करने के दौरान तीनो युवती सेल्फी लेने और रिल्स बनाने में मग्न थी। इसी दौरान तीनो डूबने लगी। युवतियों को डूबता देख मौके पर मौजुद लोगो ने ब्यूटी कुमारी और ज्योति कुमारी को किसी तरह से निकाला एवं अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर ब्यूटी कुमारी की मृत्यू हो गयी। वहीं प्रिंयका का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। प्रिंयका को खोज निकलने के लिए दामोदर नदी में प्रयास जारी है। इसकी सूचना अंडाल पुलिस को दी गयी। पुलिस मौके पर पहुंचकर प्रिंयका को निकालने के प्रयास में मद्द कर रही है।

राधा मां की विग्रह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (रानीगंज): श्री सीतारामजी मंदिर रानीगंज कमिटी की ओर से मंदिर पगण में आयोजित श्री राधारानी विग्रह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का उद्घाटन भूमानंद कृष्णकुंज के कुंजाध्यक्ष ब्रह्मचारी देवानंद जी महाराज ने की। उनीहने कहा कि राधे-राधे बोलने के पीछे ये मान्यता रही है कि राधे-राधे बोलने या राधा नाम का जप करने से भगवान श्री कृष्ण आपसे प्रसन्न होते हैं, जिससे व्यक्त को जीवन में परम सुख की अनुभूति होती है। साथ ही राधा नाम जपने वाले साधक की हर मनोकामना पूरी होती है।

राधा नाम को अपने आप में एक सिद्ध मंत्र बताया गया है। माना जाता है कि राधे-राधे बोलने वाले व्यक्ति को सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। इतना ही नहीं, राधा नाम जपने से व्यक्ति को मृत्यु के बाद जन्म-मरण के चक्र से भी मुक्ति मिल सकती है।

कमेटी के सचिव प्रदीप सराय ने कहा की रानीगंज शहर का ऐतिहासिक मंदिर है। राधा मां की मूर्ति का स्थापना के संदर्भ में बताएंकि यहां सभी देवी देवताओं का नही था भक्तगण इसकी कमी महसूस कर रहे थे।

अध्यक्ष विमल बाजोरिया ने विस्तृत जानकारी दी और कहा कि 13 से 15 जुलाई 2024 (प्रतिदिन सुबह 8 बजे से पूजा) शनिवार 13 जुलाई 2024, संध्या 6:30 बजे से हरिनाम कीर्तन ब्रह्मचारी देवानंद और सम्प्रदाय द्वारारविवार 14 जुलाई 2024 संध्या 6:30 बजे से सुन्दरकांड पाठ संतोष भाईजी के सान्निध्य में स्वेता रुनझुन एवं मंदिर महिला समिति द्वारा की जाएगी।

15 जुलाई 2024 श्री राधारानी विग्रह प्राण प्रतिष्ठा संध्या 4 बजे और भजन संध्या जिसमे भजन गायक आकाश-परिचय (गिरिडीह) द्वारा की जाएगी। संयोजक ललित झुनझुनवाला ने कहा कि विधि के अनुसार पालकी से नगर परिक्रमा के साथ राधा मां को स्थापित की जाएगी। संयोजक पियूष बगेरिया, विजय छवछरिया ने जानकारी देते हुए अतिथियों का स्वागत की।

आज का राशिफल

14 जुलाई 2024
रविवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष

दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से ही किसी को प्रभावित कर देंगे। आपको खुद पर गर्व महसूस होगा। शिक्षण क्षेत्र में ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं। छात्रों को जल्द ही सफलता मिलेगी। सेहत ठीक रहेगी।

वृषभ

दिन लाभदायक रहेगा। अपने काम पर पूरा फोकस बनाए रखें। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी। छात्रों को सफलता के योग है।

मिथुन

दिन उत्तम रहेगा। दूसरों की बातों में ना आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखेंगे। अपने काम पर ध्यान दे। सम्मान के पात्र बने रहेंगे। जीवनसाथी की सलाह लाभदायक रहेगा। अचानक धन लाभ होने के योग है।

कर्क

दिन अच्छा रहेगा। सराहनीय कामों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाये। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक तरीके से चलती रहेंगी। अपने काम करने के तरीकों में बदलाव लायेंगे।

सिंह

दिन फेवरेबल रहेगा। लम्बे समय से अटका हुआ काम पूरा हो जायेगा। विद्यार्थियों को शुभ परिणाम मिलेगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें। अपने मित्रों की सलाह ले सकते हैं। नौकरी क्षेत्र में अपने काम से काम रखें।

कन्या

दिन अनुकूल रहेगा। नौकरी क्षेत्र में अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। बहसबाजी से बचना होगा। लवमेट्स के रिश्ते में भी मधुरता बनी रहेगी। सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत है। बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे।

तुला

दिन उत्तम रहेगा। लोग आपका अनुसरण करेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सक्षम होंगे। किसी से बात करते समय अपनी बातें शेयर न करें। जिस काम की शुरुआत करेंगे वह समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक

दिन बढ़िया रहेगा। किसी महत्वपूर्ण टॉपिक का अच्छा सॉल्यूशन मिल सकता है। किसी काम की शुरुआत से पहले शुभ मुहूर्त देखना अच्छा रहेगा। समाज में किए कामों से मान सम्मान बढ़ेगा। कोई विश पूरी हो सकती है।

धनु

दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावात्मक बातों में आकर गलत फैसले लेने से बचे। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है। छोटी परेशानियों का निवारण जल्द ही कर लेंगे।

मकर

दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मिलकर मन को सुकून मिलेगा। नयी-नयी जानकारियां हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ सन्देश मिल सकता है। बिजनेस में ख़ास एग्रीमेंट होगा। सेहत ठीक रहेगी। दाम्पत्य जीवन में खुशियां आएंगी।

कुंभ

दिन खुशियों भरा रहेगा। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। सपने काफी हद तक पूरे हो जायेंगे। घर में सदस्यों के बीच सामंजस्य होने से शांति का माहौल बना रहेगा। खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

मीन

दिन अच्छा रहेगा। पारिवारिक समस्या हल होगी। रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक प्रवृति के लोगों की सलाह आपके लिए फायदेमंद रहेगी। मेहनत का उचित फल मिलेगा। अपने काम को बेहतर तरीके से करते रहें।

नेशनल लोक अदालत का मुख्य न्यायाधीश झारखंड ने किया ऑनलाइन उद्घाटन

एक लाख 98 हजार 78 वादों का हुआ निपटारा, 1 अरब 78 करोड़ 43 लाख 39 हजार 4 सौ 70 रूपए की हुई रिकवरी

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): नेशनल लोक अदालत का ऑनलाइन उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विद्युत रंजन सारंगी ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लोगों को त्वरित न्याय मिले यही हमारा उद्देश्य है। ऑनलाइन उद्घाटन के बाद धनबाद मे नेशनल लोक अदालत की शुरुआत हुई। जहां मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा द्वारा चार लोगों को मुआवजा का चेक व तीन लोगों को नियुक्ति पत्र दिया गया। नेशनल लोक अदालत में विवादों के निपटारे के लिए तेरह बेंच का गठन किया गया था। जिनके द्वारा विवादों का निपटारा किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा ने कहा कि लोक अदालत में महीनों कोर्ट का चक्कर लगाने और पैसे की बर्बादी से बचा जा सकता है. इससे लोगों को मानसिक शांति भी मिलती है. इसके साथ ही प्रेम और सौहार्द आपस में फिर से बन जाता है। लोगों मे प्रेम, शांति, समृद्धि और समरसता बनी रहे यही इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य है!

उन्होने कहा की 23 नवम्बर 2013 से पूरे देश में नेशनल लोक अदालत का आयोजन हर तीन माह मे किया जा रहा है! नेशनल लोक अदालत के संबंध में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव राकेश रोशन ने बताया कि कुल 13 बेंचो द्वारा एक लाख 98 हजार 78 वादों का निपटारा किया गया जिसमें 1 अरब 78 करोड़ 43 लाख 39 हजार 4 सौ 70 रूपए की रिकवरी की गई। उन्होंने बताया कि मौके पर मसूरी मुंडियाईन, मृनाल राय, राजेश बाऊरी, संजय कुमार को ऑन स्पॉट नियुक्ति पत्र ईसीएल द्वारा दिया गया, वहीं ममता देवी, सुधा सिंह, सहादत अंसारी को मुआवजा का चेक ऑन स्पॉट दिया गया।

उन्होंने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा का निर्देश पर कुल 13 बेंच का गठन किया गया था, जिसमें टी हसन प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय, अतिरिक्त न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय एस एन मिश्रा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह, मुख्य न्यायाधीश आरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी, अवर न्यायाधीश सफदर अली नायर, नीतासा बारला, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी मनोज कुमार, ऋषि कुमार परमानेंट लोक अदालत के अध्यक्ष पीयूष कुमार, मेंबर रवींद्रनाथ ठाकुर, शिप्रा एवं सर्टिफिकेट ऑफिसर रामनारायण खालको समेत डालसा के पैनल अधिवक्ता विभिन्न विभागों बैंक इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारी शामिल थे जिनके द्वारा विवादों का निपटारा किया गया.

कार्यक्रम के सफल आयोजन में लीगल एट डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, डालसा सहायक, सौरव सरकार, अरुण कुमार, अनुराग पांडे, हेमराज चौहान चंदन कुमार, समेत अन्य लोग उपस्थित थे। सचिव श्री राकेश ने नेशनल लोक अदालत में सफल आयोजन के लिए सभी वादकारी सिविल कोर्ट कर्मचारी धनबाद बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं और विभिन्न विभाग के अधिकारियों का आभार प्रकट किया।

सीएम हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन के साथ की सुनीता केजरीवाल से मुलाकात

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): दिल्ली/ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पहुंचे और उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ मुलाकात की। इससे पहले उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के साथ भी मुलाकात की थी। जेल से बाहर आने के बाद उनकी यह पहली मुलाकात थी।

दरअसल हेमंत सोरेन को ईडी ने जमीन घोटाला मामले में 31 जनवरी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्होंने ईडी की हिरासत में रात साढ़े आठ बजे राजभवन पहुंचकर सीएम पद से इस्तीफा दिया था।

1 फरवरी को उन्हें न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल भेजा गया था। बाद में, झारखंड हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद 28 जून को उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया।

उसके बाद उन्होंने फिर से सीएम पद की शपथ ली।

आम आदमी पार्टी की तरफ से यह कहा जा रहा है कि अरविंद केजरीवाल का वजन लगातार कम हो रहा है और उनकी शुगर की परेशानी भी बढ़ती जा रही है। उनकी तबीयत के बारे में जानने और उनकी पत्नी को मिलने के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री अपनी पत्नी के साथ उनके आवास पर पहुंचे जहां सुनीता केजरीवाल ने दोनों का स्वागत किया।

इस मुलाकात के बारे में आम आदमी पार्टी ने भी सोशल मीडिया के जरिए एक पोस्टर जारी किया है जिसमें इस मुलाकात का वीडियो लगाया गया है और लिखा गया है कि तानाशाही के खिलाफ एकजुट है इंडिया।

हेमंत सोरेन ने दिल्ली दौरे पर कहा था कि बीजेपी ने न्यायपालिका को अपमानित किया है। मुझे उम्मीद है कि अरविंद केजरीवाल को जल्द जमानत मिल जाएगी।

बता दें कि सीएम केजरीवाल को ईडी के मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है लेकिन सीबीआई के मामले में जमानत न मिलने पर वह अभी जेल में हैं।

सीएम हेमंत ने निर्माणाधीन पुल गिरने के मामले में लिया सीधे एक्शन, चार इंजीनियर सस्पेंड

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): रांची/ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गिरिडीह में निर्माणाधीन पुल गिरने के मामले में सीधे एक्शन लेते हुए चार इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया है। इनमें कार्यपालक अभियंता विनय कुमार, सहायक अभियंता अख्तर हुसैन और कनीय अभियंता मुकेश कुमार गोप व अमित कुमार मोदी शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ गंभीर अनियमितता और काम में लापरवाही के आरोप में विभागीय कार्यवाही चलाने का भी आदेश दिया गया है। गिरिडीह में अरगा नदी पर फतेहपुर-भेलवाघाटी के बीच बन रहा पुल पहली बारिश में ही 30 जून को गिर गया था। पथ निर्माण विभाग के गुण नियंत्रण के अधीक्षण अभियंता को इसकी जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जांच में गंभीर अनियमितता ओर लापरवाही पाई गई। इस मामले में सीएम ने अधीक्षण अभियंता से भी स्पष्टीकरण मांगने को कहा था। सीएम ने सीडीओ के चीफ इंजीनियर की अध्यक्षता में विशेष जांच कमेटी गठित करने का भी निर्देश दे दिया है।

हाई कोर्ट के अधिवक्ता पहुंचे सुरंगा पंचायत ग्रामीणों से लिए ओबी डंप मामला की जानकारी

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): सुरंगा पंचायत का ओबी डंप का मामला सालों से चलते आ रहा है एक तरफ ग्रामीण ओबी डंप का विरोध कर रहे है तो दूसरी तरफ आउटसोर्सिंग कंपनी अपना मनमानी कर रहा है। जिला प्रशान से लेकर मुख्यमंत्री ने भी इस पर संज्ञान लिया पर ओबी डंप रुकने का नाम नहीं लिया। वही आज शनिवार को न्यायलय के अधिवक्ता विदेश दा सुरंगा पंचायत ओबी डंप पर पहुंचे विस्तार से जानकारी लिए कई घंटो तक ग्रामीणों से बात किए।

वही अधिवक्ता विदेश दा ने बताया कि कानून से बड़ा सविधान से बड़ा कोई नही है न्याय अवश्य मिलेगा। वही ग्रामीणों ने बताया किस तरह सुरंगा से लेकर आस पास के सभी गांव आने वाले भविष्य में किस तरह यहां की नक्शा गायब हो जायेगा यानी गांव उजड़ जायेगा। मौके पर पांडव रजक, मिथुन कुमार, रोहित कुंभकार, दिलीप रजक, जादू महतो, संजय कुंभकार साथ में कई ग्रामीण मौजूद थे। रंगा पंचायत का ओबी डंप का मामला सालों से चलते आ रहा है एक तरफ ग्रामीण ओबी डंप का विरोध कर रहे है तो दूसरी तरफ आउटसोर्सिंग कंपनी अपना मनमानी कर रहा है। जिला प्रशान से लेकर मुख्यमंत्री ने भी इस पर संज्ञान लिया पर ओबी डंप रुकने का नाम नहीं लिया।

वही आज शनिवार को न्यायलय के अधिवक्ता विदेश दा सुरंगा पंचायत ओबी डंप पर पहुंचे विस्तार से जानकारी लिए कई घंटो तक ग्रामीणों से बात किए। वही अधिवक्ता विदेश दा ने बताया कि कानून से बड़ा, सविधान से बड़ा कोई नही है न्याय अवश्य मिलेगा। वही ग्रामीणों ने बताया किस तरह सुरंगा से लेकर आस पास के सभी गांव आने वाले भविष्य में किस तरह यहां की नक्शा गायब हो जायेगा यानी गांव उजड़ जायेगा।

मौके पर पांडव रजक, मिथुन कुमार, रोहित कुंभकार, दिलीप रजक, जादू महतो, संजय कुंभकार समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

मऊ स्टेशन से हटिया स्टेशन के लिया एक ट्रिप वन वे स्पेशल ट्रेन चलायी जाएगी

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): यात्री सुविधा के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु दिनांक 15.07.24 को मऊ स्टेशन से हटिया स्टेशन के लिया एक ट्रिप वन वे स्पेशल ट्रेन चलायी जाएगी| उपर्युक्त तिथि पर ट्रेन संख्या 05182 मऊ- हटिया वन वे स्पेशल सोमवार को मऊ स्टेशन से 17.15 बजे प्रस्थान करेगी, मंगलवार को 07.50 बजे धनबाद स्टेशन पहुचेगी तथा यहाँ से 07.55 बजे आगे के लिय प्रस्थान करेगी और मंगलवार को ही हटिया 14.30 बजे पहुचेगी| इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 15 कोच होंगे|

मंत्री बन्ना गुप्ता ने जेएसएफसी गोदाम के प्रबंधक को किया निलंबित, निरीक्षण के बाद की कार्रवाई

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): रांची/ झारखंड स्टेट फूड कॉरपोरेशन लिमिटेड के कडरू-2 गोदाम के प्रभार से नीरज कुमार त्रिपाठी को निलंबित कर दिया गया है। विभागीय मंत्री के औचक निरीक्षण के क्रम में पाई गई अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए नीरज कुमार त्रिपाठी को गोदाम प्रबंधक के प्रभार से निलंबित किया गया है। नीरज कुमार त्रिपाठी रातू में जनसेवक के पद पर कार्यरत हैं, उन्हें झारखंड स्टेट फूड कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसएफसी) के कडरू-2 गोदाम प्रबंधक का प्रभार दिया गया था।

दरअसल, खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता रांची के एफसीआई गोदाम में औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे, जहां एफसीआई गोदाम में कई त्रुटियां मिली, स्टॉक रजिस्टर्ड तक गायब थे, चीनी, चना दाल के स्टॉक में कमी पाई गई। साथ ही गोदाम का रख-रखाव भी सही नहीं पाया गया था जिसके बाद मंत्री बन्ना गुप्ता ने एफसीआई गोदाम के प्रबंधक और अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। अनाज के आसपास में गंदगी देख मंत्री बन्ना गुप्ता भड़क गए। वहीं संबंधित लोगों को जमकर फटकार लगाई। मंत्री बन्ना गुप्ता ने अनाज की बोरियों का वजन कराया, जहां कई बोरियों में अनाज की मात्रा कम मिली। मंत्री ने स्टॉक का मिलान करना शुरू किया। उसमें भी गड़बड़ी मिली। इस दौरान मंत्री ने फोन पर वरीय अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कार्य प्रणाली में सुधार लाने का निर्देश दिया।

मंत्री ने कहा कि गरीबों का अनाज चोरी करने वाले और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। ऐसे अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होगी, चाहे वह कोई भी हो।

औचक निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस ने फूड सिक्योरिटी बिल लागू कराया था, ताकि देश में कोई भूखा न रहे। सरकार का अनाज गरीब की थाली तक पहुंचे, यही हमारे नेता राहुल गांधी की सोच है।

उन्होंने मुझे यह जिम्मेदारी देते हुए निर्देश दिया कि गरीबों को कभी भूखा न सोना पड़े। निरीक्षण में कई गड़बड़ी मिली है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। दोषियों पर कार्रवाई की जायेगी।

जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 550 लाख रुपए से अधिक के नए प्रस्ताव पारित

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में आज न्यू टाउन हॉल में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के न्यास परिषद की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सांसद धनबाद ढुलू महतो, सांसद गिरिडीह चंद्र प्रकाश चौधरी, विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो, विधायक धनबाद राज सिन्हा, जिला परिषद की माननीय अध्यक्ष शारदा सिंह मौजूद रहे। बैठक के दौरान न्यास परिषद से अनुमोदन हेतु विभिन्न योजनाओं के संबंध में सभी को विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक के दौरान माननीय सांसद, विधायक व उपायुक्त सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने विभिन्न विभागों से प्राप्त प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की।

डीएमएफटी के न्यास परिषद की बैठक में जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 550 लाख रुपए से अधिक के नए प्रस्ताव पारित किए गए।इसमें धनबाद सदर, बलियापुर, टुंडी, बाघमारा, तोपचांची एवं झरिया के आंगनबाड़ी केंद्रों में ट्यूबवेल एवं रेनवाटर हार्वेस्टिंग, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के विभिन्न विभागों में मशीन, उपकरण, एसएनएमएमसीएच का सुदृढ़ीकरण एवं मौलिक सुविधाएं उपलब्ध कराना, सदर अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन, डिजिटल एक्स-रे, बाल सुधार गृह का जीर्णोद्धार के अलावा लघु सिंचाई, भवन प्रमंडल, आधारभूत संरचना, शिक्षा, ग्रामीण जलापूर्ति योजना, जोड़ापोखर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण, शहर में ट्रैफिक सिग्नल एवं सीसीटीवी कैमरा लगाना, खनन के कारण हो रहे वायु प्रदूषण को रोकने के लिए नगर निगम को वॉटर स्प्रिंकलर एंटी स्मोक गन व स्टेनलेस स्टील वॉटर टैंकर उपलब्ध कराना, झरिया में बंद पड़े माइन पिट के पास आरओ प्लांट प्रोजेक्ट का अधिष्ठापन सहित अन्य योजनाओं को स्वीकृति दी गई।

मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, सिटी एसपी अजीत कुमार, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला खनन पदाधिकारी मिहिर सालकर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक भूतनाथ रजवार, धनबाद प्रखंड प्रमुख, जिला परिषद सदस्य एवं जिले के सभी मुखिया सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक की शुरुआत में उपायुक्त ने सभी माननीय जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। वहीं बैठक के समापन पर उप विकास आयुक्त ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आठवें काला हीरा कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर हुआ उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): कोयलांचल बीसीसीएनएस एंड नाट्य संघ का सांस्कृतिक प्रस्तुति आठवां ऑल इंडिया मल्टी लिंगुअल डांस ड्रामा ड्राइंग एंड म्यूजिक कंपटीशन फेस्टिवल काला हीरा का कम्युनिटी हॉल, कोयला नगर में चार दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन मुख्य अतिथि ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के राष्ट्रीय महासचिव सतीश कुंदन, काला हीरा के निर्देशक राजेंद्र प्रसाद एवं उनकी धर्मपत्नी ,99 ग्रुप का ऑफ कंपनीज के महेश मोदी, काला हीरा के एसोसिएट सह कला निकेतन के निर्देशक वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा एवं उनकी धर्मपत्नी, क्लब इंडिया के निर्देश संतोष रजक व अनुभूति एक एहसास की महासचिव सरसी चंद्रा तथा नाटक संघ के उपाध्यक्ष यू.सी. मिश्रा, सचिव हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय, वरिष्ठ पत्रकार सत्यराज, काला हीरा की उपाध्यक्ष मिताली मुखर्जी राय, कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र गिरी, रविकांत कुमार, शिवानी पंडित, अलका सिंह, आजमगढ़ के हुनर संस्था के निदेशक सुनील विश्वकर्मा ने भारतीय संस्कृति कलाओं के हर शहरों, प्रखंडों एवं गांवों में पुनरुत्थान की शपथ व देश के सभी कलाकारों के भविष्य उज्जवल की कामना करते हुए दीप प्रज्वलित कर किया गया।

उद्घाटन के मौके पर काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता व डायरेक्ट पर्सनल के एम रमैया का काला हीरा कार्यक्रम को आपार समर्थन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार जताया और काला हीरा में पहुंचे सभी अतिथियों एवं कलाकारों का स्वागत अभिनंदन किया।मौके पर एआईटीसी के राष्ट्रीय सचिव सतीश कुंदन ने कहा पूरे देश में लोकप्रिय काला हीरा कार्यक्रम बच्चों में एक सांस्कृतिक चेतना भरने का कार्य कर रहा है व काला हीरा से भारतीय संस्कृति का पुनरुत्थान और विकाश की एक अहम कोशिश है तथा बच्चों में चरित्र निर्माण होता है इसलिए हर अभिभावकों को अपने बच्चों को सांस्कृतिक गीत संगीत नृत्य के प्रति प्रेरणा देकर काला हीरा जैसा शानदार मंच प्रदान करना चाहिए। एआईटीसी के नेशनल स्पोक्समैन और कार्यक्रम के उद्घोषक आफताब राणा ने कहा काला हीरा अगले कार्यक्रमों में शहर, प्रखंडों और गांवों के प्रतिभाओं को तलाश कर मंच पर लाएगी।कार्यक्रम का शुभारंभ धनबाद की प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना श्रुति चंद्र द्वारा गणेश वंदना नृत्य की सुंदर प्रस्तुति करके किया गया।

शनिवार को प्रथम दिन सांस्कृतिक नृत्य कंपटीशन में भारतीय कला संस्कृति के रूल और रेगुलेशन के अनुसार स्थानीय,राज्य एवं देश के कलाकारों द्वारा अपने अपने नृत्य गुरु विधान चंद्र दास,अंजू घोष, कौशिक मित्रा, संगीता चट्टोराज, मोमिता मिश्रा अधिकारी,रूपम विश्वास,सुबल सखा डेंरे, अर्जुन साहा, पियाली दत्ता चटर्जी, सप्तऋषि बेरा, बी.बंदोपाध्याय आलोक बहादुरी, अनुपम मोलर डे जैसे भारतीय सांस्कृतिक नृत्य में महारथ हासिल गुरुओं के सानिध्य में भरतनाट्यम,ओडिसी, नजरुल, रबिंद्र, सेमी क्लासिकल, वेस्टर्न, फॉल्क, माउथ ऑर्गन क्रिएटिव नृत्य में एक से बढ़कर एक दमदार संस्कृति नृत्य की प्रस्तुति की।

नृत्य के पश्चात नेशनल कल्चरल प्रोग्रामर विधान चंद्र दास ने कथक नृत्य में सोमश्री विश्वास, गुरु अंजू भट्टाचार्यजी, फ़ोक नृत्य में त्रिशा नंदी एवं सेमी क्लासिकल में संगीता चट्टोराज को स्वर्ण पदक विजेता घोषित किया। काला हीरा द्वारा आयोजित ऑफलाइन और ऑनलाइन ड्राइंग कंपटीशन में 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें कार्यक्रम स्थल सामुदायिक भवन में 78 चित्रांकन कलाकारों ने कोलकाता के नाना रंग आर्ट अकैडमी के निर्देशक जोयनंदी की मॉनिटरिंग में चित्रकारी परीक्षा दी जिसमें नाना रंग आर्ट अकादमी के 67 और 11 स्थानीय एवं अन्य राज्यों के चित्रांकन कलाकार थे। काला हीरा में 16 जुलाई तक स्थानीय एवं 13 राज्य के कलाकारों द्वारा संस्कृति गीत संगीत और नाटक की प्रस्तुति होगी जिसमें बीसीसीएल के पदाधिकारी एवं धनबाद विधायक अपने निर्धारित समय पर पहुंचकर सबको उज्जवल भविष्य का सुभकामनाएं व आशीर्वाद देंगे।

इंदिरा गांधी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त किये जाने पर भड़के कांग्रसी

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): झरिया के इंदिरा चौक स्थित देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री आयरन लेडिस स्वर्गीय इंदिरा गांधी की प्रतिमा को असमाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त की गई इसकी सूचना पाकर झरिया नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रत्नेश यादव के नेतृत्व में धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, प्रदेश प्रवक्ता शमशेर आलम के अगुवाई में सैकड़ो कांग्रेस जनों ने झरिया इंदिरा चौक सड़क पर धरने पर बैठ गये।और प्रशासन से अविलम्ब इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने वाले असामाजिक तत्वों गोडसे के वंशजों को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे प्रशासन ने तुरंत इंदिरा जी को प्रतिमा को यथा स्थिति स्थापित करने का काम किया और भरोसा दिलाया की तुरंत ही पुलिस प्रशासन के द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी और इस कु-कृत करने वाले लोगों को जेल में डालने का काम करेगी। आज के इस आंदोलन में मुख्य रूप से धनबाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सिंह, प्रदेश प्रवक्ता समशेर आलम, किशोर कुमार, प्रीतम रवानी, पिंटू तुरी, रवि सिंह, अर्जुन विश्वकर्मा, अब्दुल करीम अंसारी, फैज अहमद, राजा अंसारी, निशार अहमद, कुंदन कुमार मोदक, राजीव पांडे, राकेश मिश्रा, राकेश पासवान, सूरज वर्मा, संजीव सिंह, गोलू पासवान सहित सैकड़ो कांग्रेसी उपस्थित थे।

जिला फुटबॉल संघ ने किया सांसद ढुलू महतो का अभिनंदन

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): चिटाही स्थित धनबाद के सांसद ढुलू महतो के आवास पर एक सादे समारोह में धनबाद जिला फुटबॉल संघ ने सांसद ढुलू महतो का अभिनंदन किया और उनको अंग बस्त्र भेंट किया। फुटबॉल प्रेमी सांसद से फुटबॉल के विकाश से संबंधी कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। बिरसा मुंडा स्टेडियम खेल संघ को फुटबॉल खेल आयोजित करने व फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रेक्टिस करने के लिए उपलब्ध कराने, सिजुआ स्टेडियम और अन्य खेल मैदनो के विकास और बच्चों में फुट्बॉल के प्रति प्रोत्साहित करने पर विस्तृत चर्चा हुई। फुटबॉल के विकास के लिए सांसद ने हर प्रकार के सहयोग करने का आश्वासन जिला फुटबाल संघ को दी। संघ ने सिजुआ स्टेडियम के माली सोमनाथ दलाई को 16 महीने से वेतन नहीं मिलने की बात भी सांसद से कहीं जिस पर उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए बीसीसीएल के निदेशक कार्मिक से दूरभाष पर बात कर 24 घंटे के अंदर वेतन भुगतान करवाने की बात कही. धनबाद जिला फुटबाल संघ की ओर से महासचिव मृदुल बोस, कोषाध्यक्ष मोहम्मद सलाउद्दीन, उपाध्यक्ष डॉ विकास रमन, संयुक्त सचिव शुभंकर सरकार, सदस्य सतीश कुमार सिंह, काजल पाल, मिंटू रावत एवं अन्य उपस्थित थे।

सीएफएम संक्षिप्त

मारवाड़ी महिला समिति सरायढेला शाखा का 4 अगस्त को सावन मेला

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): मारवाड़ी महिला समिति सरायढेला शाखा द्वारा 4 अगस्त को अग्रसेन भवन हीरापुर में सावन मेला का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी शाखा की अध्यक्ष नीलिमा अग्रवाल ने दी और बताया कि एकदिवसीय मेला सुबह 11:00 से रात्रि 8:00 बजे तक लगाया जाएगा। तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है मेले में 15 स्टाल लगाए जाएंगे। राखी डेकोरेटिव आइटम, सूट, साड़ी, बंधनावर, मनोरंजन,गेम एवं खाने पीने के स्टाल लगाए जाएंगे। कार्यक्रम को लेकर शाखा की सचिव मीतू तुलस्यान एवं कोषाध्यक्ष एकता गांगेसरिया एवं अन्य सदस्य लगी हुई है।

छत्रसाल सिंह बने पूर्व मध्य रेल के नए महाप्रबंधक

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): हाजीपुर/ छत्रसाल सिंह ने दिनांक 13.07.2024 को पूर्व मध्य रेल के नए महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में एडिशनल मेंबर (ट्रैफिक ट्रांसपोर्टेशन) के पद पर पदस्थापित थे। छत्रसाल सिंह "भारतीय रेलवे यातायात सेवा"के 1988 बैच के एक ख्याति प्राप्त अधिकारी हैं। आपने आई.आई.टी, रूड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त किया है। छत्रसाल सिंह भारतीय रेलवे के कई महत्वपूर्ण पदों पर अपना योगदान दे चुके हैं। आप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे और उत्तर रेलवे में परिचालन, वाणिज्यिक और संरक्षा विभागों में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। आपने रेलवे बोर्ड में निदेशक (कम्प्यूटराईजेशन एंड इनफार्मेशन सिस्टम) एवं क्रिस, नई दिल्ली में महाप्रबंधक के रूप में भी कार्य किया है। आप दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक जैसे पदों पर भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं।

बेलोरो ने बाइक को रौंदा, तीन की मौत

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): सड़क किनारे एक बाइक सवार अपनी बच्ची को पानी पिलाने के लिए रुका। उनके साथ बाइक पर एक महिला भी थी। इतने में ही सामने से एक तेज रफ्तार बेलोरो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गये। वहीं बेलोरो खेत में जा गिरी। बाइक सवार महिला और बच्ची ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं बेलोरो सवार एक महिला की भी जान चली गई। घटना आज धनबाद के तोपचांची थाना क्षेत्र जीटी रोड पर हुई। इस हादसे में करीब आधा दर्जन लोग घायल हुये हैं। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें धनबाद के एसएनएमएमसी भेज दिया गया। वहीं तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अषाढ़ी पूजा धूमधाम से मनाया गया

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): नार्थ तिसरा गोल्डेन पहाडी में प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी तिसरा ग्रामता पूजा (अषाढ़ी पूजा) गोल्डेन पहाड़ी तीन मंजिला के समीप काली मंदिर में तिसरा व आसपास के ग्रामीणों के द्वारा शनिवार को धूमधाम से सम्पन्न हुई। पूजा से पूर्व महिलाओं एवं अन्य ने पूरे बस्ती का ढोल बाजा के साथ जयकारे के साथ भ्रमण किया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। पूजा के दौरान आस पास के कई जगहों के महिलाओं ने भाग लिया और सुबह से दोपहर तक चलता रहा। इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा कि सैकड़ों वर्ष से उनके पूर्वज इस पर्व को मानते आ रहें हैं। बस्ती में घातक बीमारियों से बचाव और अमन चैन के लिए ग्राम देवताओं का पूजा-पाठ किया जाता रहा है। आज भी इस परंपरा को निभाते आ रहे हैं। इसलिए इस वर्ष भी वार्षिक पूजा को धूमधाम से किया गया है।

गाय ओर पशुओ के रक्षक लोक देवता-कारस देव

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई 2024: भारत के लोकजीवन की अवधारणा ब्रह्मांड को संचालित करने वाली परमात्मा की मायाशक्तियों से आच्छन है। लोक में देव या देवता शब्द का प्रयोग मनुष्य के आत्मसाक्षात्कार से आर्भिभूत अहर्निश दिव्यता को उपलब्ध होने पर तथा पवित्र आत्माओं एवं जड़ चेतन प्रकृति ओर सूर्य, चंद्र, ग्रह नक्षत्रों व जगत के कर्ता- धर्ता परमेश्वर के लिए प्रयुक्त हुआ है। जगत में जो दृश्यमान आवृत्य है ओर जो दृष्टि से परे अनावृत है वही परमात्मा का अविच्छिन अंश है। आवृत अंश/भाग संसार है जो परमात्मा की मायाशक्ति से आच्छन्न है। यह माया ही आदघ्याशक्ति है जो दुर्गा कही गई है। दुर्गा के 9 स्वरूप है जिनसे संसार का कार्य संचालन माना गया है। परमात्मा देश-काल की परिधि से रहित है परंतु जब भी प्रकृति ओर उसके कार्य रूप संसार का जिक्र होता है तो परमात्मा ही प्रकृति सत्ता को स्फूर्त रूप दिये जाने के कारण सबका अधिष्ठान कारण माना गया है, यानि अक्षय शक्ति के रूप में स्वीकार किया गया है। वैसे ही लोक जीवन में अनादिकाल से श्रुति- स्मृति परंपरा के प्रवाहरूप में पुरखों को स्थान दिया जाकर लोककल्याणकारी भाव से पूजा जाता है। देवी देवतायों को शक्ति का अवतार माना गया है जिनकी शक्तियाँ अनावृत होने पर शाश्वत के प्रति आस्था का सैलाब उमड़ता है वही आवृत भाग के प्रगटन न होने से रहस्य बना रहता है। देश के कई प्रान्तों, जनपदों, ग्रामों में धर्म -आध्यात्म की प्रवाहित लोक सांस्कृतिक शक्तियों की त्रिवेणी में अवतारों के साथ-साथ कुल के देवता - लोक देवता ओर देवियों के उदभव,विकास ओर सुयश के संबंध में प्रचलित गीत- गाथाएँ ओर किवदंतियाँ आस्था का केन्द्रबिन्दु बनी हुई है। यहा हम बुंदेलखंड के जनजीवन में रचे बसे लोक देवता कारसदेव जिन्हे शिव का अवतार भी माना गया है उनके जन्म, कर्म आदि को लेकर जनमानस के मन की जिज्ञासायों को अनावृत करने का प्रयास करेंगे साथ ही उनके भाई हीरामन देव एवं अजयपाल जो कारसदेव के साथ जंगल मे गाय चराया करते थे पर चिंतन मनन करेंगे। बुन्देली गाथा पर इतिहासकार नर्मदाप्रसाद गुप्त,डॉ॰ गंगाप्रसाद बरसैया,दीवान प्रतिपाल सिंह, काशीप्रसाद जायसवाल एवं गोरेलाल तिवारी आदि ने बुंदेलखंड की लोक संस्कृति ओर इतिहास आदि में लोकदेवों का वर्णन किया है जिनमें, घटना, काल, चरित्र को लेकर अनेक मतभेद देखने को मिले। प्राय: सभी की अभिव्यक्ति को जोड़घटाकर जो अतिशयोक्तिपूर्ण लगा उससे परहेज कर पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है जिसमे लोकदेवता कारसदेव भी यहा के जनमानस मे प्रमुख स्थान रखते है । कारसदेव पशुओ में गो रक्षक के साथ लोकरक्षक देवता माने गए है तभी भाद्रपक्ष की चतुर्थी को रात के 12 बजे उनका जन्म होना मानकर इस दिन इनकी विशेष पूजा की जाती है ओर भक्त रातभर ढांक (डमरू) जैसे आवाज के साथ विचित्र घुन में गोटें (गीत) गाते है जिसमे कारसदेव के जन्म से लेकर बाल्यावस्था, युवावस्था के शौर्य का सुंदर चरित्र सुनने को मिलता है।

हर धर्म-वर्ग के लोग अपने हर छोटे बड़े कर्म में पूजा, प्रतिष्ठा, संस्कार में अपने देवी देवता का आव्हान करते है, उनकी मनौती के लिए रात्रि जागरण, भजन-कीर्तन पूर्ण समर्पण के साथ अनुष्ठान करते है। सबके अलग-अलग देवी-देवता है, सबकी अलग-अलग विशिष्ठ पूजाए हो सकती है,सबकी मान-मनावत भिन्न हो सकती है। इस समाज में मनुष्यों ने देवताओं को कई वर्गों में विभक्त कर पूजा है जिसमें सबसे पहले प्रकृति पूजा को प्रथम मान्यता है ओर प्रकृति को देवत्व का स्थान देकर वृक्ष, भूमि, पर्वत, नदी, पवन, सूर्य,चंद्र, शनि आदि को प्रकृतिपरक देव माना है वही जो अनिष्टकारक है वे अनिष्टदेव के रूप में पूजे जाते है जिनमें अग्नि, सर्प,भूत,प्रेत आँधी ,मृत्यु, राहू, केतू आदि शामिल किए गए है। अनेक जातियो के लोगों ने अपनी-अपनी जाति का होने से देवताओं को जातिपरक मानकर पूजना शुरू किया है जिनमें बड़ा देव, ठाकुरदेव, नारायण देव, घमसेन, नगरसेन,कारसदेव, ग्वालबाबा, गुरईया देव (ग्वालों व अहीरों के) मसान बाबा(तेलियों के) भियाराने बाबा (काछियों के) गौंड बाबा, गुरुआ बाबा, हीरामनदेव, नटनी मैया, हंसों मैया चौखे बाबा, जोधाबाबा, बनवारी बाबा,पटेल बाबा, सफाबाबा, माटूबाबा(ग्वालों के) को पूज्य माना है वही स्थलपरक देवी देवताओं मे गाँव-खेड़े की सुरक्षा के लिए खेड़ापति माई जो खेरमाई जो हर गाँव खेड़े के बाहर विराजमान होती है, खेड़ापति हनुमान जी जिनका मंदिर गाँव, शहर के बाहर होता है, खेतों की मेड के देवता के रूप में मिडोइयाबाबा , कुआ या घाट के लिए घटोइया बाबा, पौरिया बाबा,विवाहपरक देवी देवताओं में गणेश, पार्वती-गौरी, दुल्हादेव एवं हरदौल बाबा तथा शक्तिपरक में शिव, दुर्गा, काली, हनुमान,चंडिका, भैरोदेवे स्वास्थ्यपरक देवताओं में धन्वन्तरी देवता, शीतलामाता, मरईमाता, करौली माता,अश्विनीकुमार आदि है वही लोकमानस द्वारा संतान के रक्षक देवी देवता के रूप में बीजासेनदेवी, षष्ठी माता,बेइया माता, दशारानीमाता, रक्कसबाबा,सहित अपने कुल देवी देवताओ ओर पूर्वजों को विशिष्ट रूप से पूजा जाता है। इनसे हटकर पशु-पक्षियों की व्याधि ओर उनके उपचार के लिए अकेले कारसदेवता का नाम आता है जो विशेष रूप से गौधन –भैस आदि जानवरों को किसी कीड़े द्वारा सताने,सर्प द्वारा डसने,किसी भी तंत्र-मंत्र ओघड़-मसान द्वारा प्रताड़ित करने पर उस जानवर की फरियाद कारसदेव के चबूतरे पर करने से, उस पशु का दूध अर्पित करने से वह जानवर स्वस्थ हो जाता है।

चंदेलों के शासनकाल में कारस देव की गोटे में उन्हे शंकर का अवतार माना जाकर स्थानीय देवों में शामिल किया गया है। इसके अलावा लोक देवों में मनिया बाबा, चंडिका देवी, भैरव बाबा,मैहर की शारदा देवी, हीरामन बाबा, अजयपाल बाबा आदि को शामिल किया गया है। आल्हाखंड से बुंदेलखंड तक आल्हा की गाथाओं,कारस देव की गोटों,कजरीयन के राछरे, गहनई ओर कन्हैया आदि में इन देवों का उल्लेख मिलता है। बुंदेलखंड में गोपालक देवता के रूप में कारसदेव की पूजा की जाती है जो समूचे ब्रजमण्डल सहित बुंदेलखण्ड, मालवान्चल के हर शहर, कस्वे,जनपद व गाँव में यादव, अहीर, ग्वाला, गुर्जर, गड़रिया आदि समाजों द्वारा भाद्रपक्ष को खीर पूड़ी से पूजे जाते है। इसके अलावा पूजा में दूध, दही, शुद्ध घी चढ़ाकर कारसदेव से अपने-अपने पशुओं के निरोगी रहने ओर सभी तरह की बाधाओं से मुक्त रखने के प्रार्थना की जाती है। कारसदेव सच्चे अर्थों में पशुओं के रक्षक वीर योद्धा थे यही कारण है की उनकी मढ़िया के सामने घोड़ा प्रतीक रूप में खड़ा किया जाता है ओर मान्यता है कि कारसदेवता घोड़े पर चढ़कर गो हंतायो से युद्ध कर पशुओ कि सुरक्षा करते थे। कारस देव का जन्म काल ग्यारहवी- बारहवीं सदी के मध्य माना गया है जहा उनके नाम के साथ हीरामन का भी उल्लेख मिलता है जो कारस देव के साथ गाय चराने जंगल जाया करते थे। कारस देव के जन्म को लेकर अनेक किवदंतियां प्रचलित है जिसमें बुंदेलखंड के ग्राम झांज के गुजर परिवार में एक निसंतान सरनी माँ का जिक्र किया गया है कि उन्होंने 12 वर्ष तक शिवजी की कठोर तपस्या निराहार रहकर की थी । एक दिन प्रात: सरोवर में सरनी माँ को एक विशाल कमल का फूल दिखा जिस पर एक सुंदर सा शिशु बालक लेटा हुआ था जिसे सरनी माँ ने शिवजी की कृपा मानकर गोद में ले लिया ओर पुचकारने लगी । सरनी की एक पुत्री ऐलादी का परिचय एक गोट में मिलता है जो वीरांगना थी-

बारा बरस तपिया तपी,करें न अन्न आहार।
सरनी गई स्नान खों,अहेले तला के पार ।
कमल पर पौढ़ों राजकुमार॥
सौ सौ दल कमला खिले, भ्रमर रहे गुंजार ।
एक कमल पर ऐसे लगे, जैसे दियला जले हजार॥
कमल पर पौढ़ों राजकुमार॥
उठा सरनी ओली लये, कारस को पुचकार
जप-तप सब पूरन भये,मोरी शिव ने सुनी पुकार।
कमल पर पौढ़ों राजकुमार॥

संसार में प्राय: हर आदमी अधूरा है ओर वह थक हारकर हताश हो जाता है तब देवी देवताओं की शरण में पहुचकर मानसिक तुष्टि पाता है जो देवता के प्रसाद या वरदान की तरह उसके अंतस को आनंद से भर देती है। सरनी माता कारसदेव को लेकर घर गई जहा उन्हे लाड प्यार से पाला। कारसदेव के हीरामन ओर सूरजपाल नाम के दो चचेरे भाई का उल्लेख मिलता है जो बहुत ही साहसी ओर वीर थे उनके पास अपार गोधन था जिसे तीनों मिलकर गाये चराने जाते थे। कारसदेव की गोटों में इसका वर्णन किया गया है –

जनम के कारसदेव कनईया, पतों भेद काऊये नईया।
ऐलादी ने बारह बरस सेवा कर लई, भोला अड्बंगेनाथ की।।
ताली खुली भोला अड्बंगेनाथ की,आज कौ माँगों पाव ।
ऐलादी ऐसे वीर मांग रई, गईयन के चरैया धोरी की रखैया।
सूरजपाल के भैया ,जेठी बल पाय॥

कारसदेव की बहिन ऐलादी की वीरता के किस्से भी चर्चित रहे है जिसमें कहा जाता है कि एक दिन दिल्ली के बादशाह अल्लाउद्दीन खिलजी का मदमस्त हाथी सांकल तोड़कर भाग गया ओर उनसे कई लोगों को कुचल कर मार दिया, खेत खलियानों को नष्ट कर दिया, राजा के सैनिक उसे पकड़ने की हिम्मत नहीं कर प रहे थे तब हाथी की सांकल जो जमीन से रगड़ती जा रही थी उसे ऐलादी ने देखा ओर हाथी की सांकल पर पैर रखकर रोक दिया ओर सैनिको से बोली तुम्हारे हाथी को ले जाये अगर मेरे पिता राजू चंदीला को अगर पता लग गया कि तुम लोगों ने हाथी से जानमाल का इतना नुक्सान पहुँचाया है ,तो तुम्हारी उम्र जेल में ही बीतेगी सैनिकों ने लौट कर सारा समाचार बादशाह को सुनाया। बादशाह ने शक्तिशाली ओर सुंदरी वीरांगना की प्रशंसा की तो उनका बेटा जिद कर बैठा कि वह ऐसी वीरांगना से विवाह करेगा ओर उसने शादी का प्रस्ताव भिजवा दिया। साथ ही संदेश भेजा कि अगर इंकार किया तो युद्ध करना होगा। राजू चंदीला ने युद्ध को चुना, भयंकर युद्ध हुआ, राजू चंदीला की थोड़ी सी सेना बादशाह के सामने धराशाई होने लगी अगले दिन हार निश्चित मानकर ,राजू चंदीला रात्रि में सुरंगो में होते हुए बचते बचाते ,अपनी पुत्री और पत्नी को लेकर ,भरतपुर की ओर रवाना हो गये, जहाँ उन्होंने बैर तहसील के निठार गाँव में बसेरा किया ,दूसरे दिन बल्लभगढ़ होते बूढी जहाज पहुंचे ,जहाज पहुंचकर राजू चंदीला ने ,मान्या लुहार के यहाँ नौकरी कर ली मान्या लुहार काफी बलशाली और बात बाला योद्धा था ,उसको जब राजू चंदीला ने मामला समझाया तो मान्या लोहार बादशाह के खिलाफ राजू चंदीला को दोस्त की तरह समर्थन दिया। ऐलादी का यह प्रसंग को लेकर अलग अलग मान्यता है कोई इसे कारस देव के जन्म कि पूर्व होना बताता है तो कोई जन्म के समय होना बताता है।

बुन्देलखण्ड अंचल के ग्राम झांझ में कारसदेव का जन्म एक गुर्जर परिवार में माता सारनी के यहा भादों वदी चौथ की रात के 12 बजे होने का प्रसंग भी चर्चित है जिसे आज भी गुर्जर, ग्वाल, अहीर एवं यादव समाज के बीच उनकी गाथा को गोट शैली में प्रस्तुत किया जाता है गाथा के नायक, पशुपालक जाति के वीर कारसदेव के चबूतरे छोटे आकार में ईटों से घरनुमा आले जैसे बने होते हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी माना जाता रहा है कि इन चबूतरों पर एक में कारसदेव और दूसरे में भाई सूरजपाल प्रतिष्ठित है ओर इन देवताओं को सम्मान देने के लिए बांस पर सफेद झंडी की ध्वजा फहरायी जाती है। प्रत्येक वर्ष भादों मास की कृष्ण चतुर्थी एवं शुक्ल चतुर्थी को गुर्जर अहीर पड़िहार के साथ इकट्ठे होते है जिस पर कारसदेव की सवारी आती है। कारसदेव गायों को चराने के साथ साथ उनकी रक्षा भी करते है, गोटो में एक किस्सा आता है कि कोई भुवनसिंह जो भुवना नाम से विख्यात था वह जंगल में चरनेवाली गायों को चोरी कर मुस्लिम म्लेक्षों को बेचता था ओर ऐसे ही वह गाय के एक झुंड को अपने ताकतवर नौकरों के साथ चोरी करके ले जा रहा था तब कारसदेव 12 साल के थे उनको खबर लग गई वे हाथ में नंगी तलवार लिए भुवना से मुक़ाबला करने चल दिये ओर उसके नौकर गायों को हाँककर ले जा रहे थे तभी कारसदेव ने उन्हे ललकारा। भुवना ने उन्हे बच्चा कहकर लौट जाने को कहा ओर बोले अगर मरना है तो आ जाओ। कारसदेव ने भुवना एवं उसके साथ शक्तिशाली योध्दाओं का डटकर सामना किया ओर परास्त कर खदेड़दिया ओर उसके द्वारा चोरी करके ले जायी जाने बाली सभी गायों को मुक्त कराया जिसका गोट में चित्रण मिलता है –

बढ़ा द्वे बछेरा अपनें खिरक के, कारस पाँचे भुवन के दोर ।
रूरुर –खुरूर बच्छा डारे,ठाढ़े बदलों लै लियो बहोर ।
सुन रे भुवना कान लगाय ।
बिजुरिया ऐसों खाँड़ों,कांडों जैसे जीभ काड़े करिया नाग ।
भुवना आग बबूला भयों,आओ सामें मार छलांग , बोलो देहों मजा चखाय।
कारस सुन भुवना कि बात, मनें मन मुस्काय।
कर लै दो-दो दावरे , बोलो खाँड़ों उठाय ।
अपनों बदलों लेबें चुकाय।
भुवना धरन गिरों रे ऐसे, जैसे गिरे टूट के डार।
बारह बरस को कारस खेलें , लै कै नगन तलवार।
झांझ के मिट गए दुक्ख अपार॥

बुंदेलखंड में कारस देव को लेकर प्रचलित किंवदंतियों में प्रसंग मिलता है कि एक बार भगवान शंकर अपने इस स्वरूप कि परीक्षा लेने एक साधु के रूप में आए तब कारस वहाँ बच्चों के साथ खेल रहे थे कारस ने देखा वे यहा गायों को चराते है लेकिन कभी कोई साधु नहीं दिखा, इन साधु महाराज को देखकर कारस ने उन्हे प्रणाम कर निवेदन किया कि आपको कोई कष्ट तो नहीं, अगर कोई सेवा हो तो निसंकोच कहिए। शिव शंकर रूपी साधु बालक के विनम्र स्वभाव देखकर बोले अगर तेरी मेरे प्रति गहरी श्रद्धा है तो मेरे कमंडल में बिन व्याही बकरी का दूध लाकर दे दो। बालक कारस जानता था कि जो बकरी अभी व्याही ही नहीं, जिसने बच्चा जना नहीं वह कैसे दूध देगी फिर भी कमंडल हाथ में लिए कारस पास ही बकरी चराने वाले ग्वाले के पास पहुंचे ओर सारी बात विस्तार से बता दी। ग्वाला भी आश्चर्य से भरा था कि यह कैसे संभव है फिर भी उसने कारस को एक बिन व्याही बकरी की ओर इशारा करके दूध दुहने को कहा। कारस ने उस बिन व्याही बकरी के नीचे कमंडल रखा तो उसके थनों से अपने आप दूध कि धार बहने लगी, कारस समझ गए जरूर ये साधु भगवान महादेव है। कहा जाता है कि महादेव के वरदान के कारण ही 1000 में से एकाध बिन व्याही बकरी ही दूध देती है जिसे अलहद बकरी कहा गया है। कारस कमंडल में दूध लिए साधु के पास पहुंचे तो साधु ने कारस से प्रश्न किया तुम्हारा गुरु कौन है, कारस ने कहा मेरा कोई गुरु नही है तब साधु ने कारस से सेवा लेने से इंकार कर दिया ओर कहा जिसका कोई गुरु नहीं उसकी कोई सेवाए नही ली जा सकती है, जब गुरु बन जाये तो सेवाए स्वीकार होगी । कारस ने तत्काल भगवान शंकर के चरणों में अपना मस्तक रखा ओर बोले आप हे भगवान आपसे अच्छा गुरु कौन हो सकेगा इसलिए दूध पीने से पहले मुझे अपना शिष्य स्वीकार कर लीजिये। साधु वेशधारी भगवान शंकर ने कारस को अपना शिष्य बना लिया ओर कुछ दिन उसी स्थान पर तपस्या करने लगे ओर कारस उनकी सेवाए करते हुये लौकिक- पारलौकिक व आध्यात्मिक शक्तियों से पूर्ण होते गये। कुछ माह बाद तपस्या पूरी होने पर साधु वेशधारी शिव शंकर जाने लगे तब कारस ने अपने गुरु से प्रार्थना की कि इस सूखे, निर्जन जंगल को जिसमें आपकी तपस्या का प्रभाव है को जलकुंड से परिपूर्ण कर दे ताकि यहा सभी कि प्यास बुझ सके, भगवान शिवजी तथास्तु कहकर अंतर्ध्यान हो गए। कारसदेव गुरु के स्थान पर शिवलिग स्थापित कर उसकी पूजा करने लगे बूढी जहाज गांव के गुर्जरों के लिए वह स्थान एक पवित्र धाम हो गया तथा गुरु की तपस्या के स्थान पर पूजा बाला शिवलिग मौजूद है ,और पूजा बाले स्थान से ही शीतल गंगा निकलती है ,जिसे शीते कुंड कहा जाता है,जिसका महत्व पुष्कर सरोवर की तरह है। कारस देव अध्यात्मिक शक्तियों से युक्त महान शक्तिशाली योद्धा थे जिन्होने अपने छोटे भाई सूरपाल के साथ , मेवाड़ तक राज्य किया और चमत्कारों से जन जन के लोकप्रिय बन गए ,हर इंसान और पशुधन को बीमारियों से मुक्त करते रहे ,भैसे पर सवार उनका स्वरुप दुश्मनों को यमराज का अवतार लगता था , सूरपाल को आज की मूर्तियों में घोड़े पर सवार और कारस देव को भैसे पर सवार माना जाता है।

कारसदेव के चमत्कारिक कार्य –में एक प्रसंग उनके 13 साल की आयु का मिलता है जिसमे वे बाँगर के राजा गढ़ुवाढ़ार की बेटी जमदेव के सौंदर्य के किस्से सुनकर उसे प्राप्त करने की जिद अपनी माँ से करते है, माँ समझाती है तुम बच्चे हो, राजा का सामना नहीं कर सकोगे। माँ सरनी कारस देव को राजा की पूरी तैयारी बताती है की उसने उसकी बेटी की रक्षा के लिए किस तरह बारह कोस का जंगल के बाद बांस ओर काँटों के कटीले पेड़ो से सुरक्षा की है, अगर इस पार कर आगे बढ़ भी जायोगे तो शेरो से सामना होगा फिर हाथियो को तैयार किया है, जहा से बच भी गए तो गहरी गहरी खाइयों खुदी है ओर उन खाइयो के बाद परकोटे है जिसको तुम कैसे पार करोगे, लेकिन कारस नही मानते है ओर माँ से कहते है वे सभी का सामना करने को तैयार है राजा की हर चुनोती मंजूर है आप आज्ञा दे दे, माँ सरनी की आज्ञा पाकर वे बाँगर जाते है जिसे गोटों में सुंदरस्वरूप में इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है –

इतने बचना सरनी माता ने सुन लये, वीरन के धर्मन के द्वार।
वीरन बाँगर की रटना छोड़ दो।
वीरन तोरी छोटी उमर कईए लिलोर,टूटे नईया दूद के दाँत ।
तौपे ऐडन से बछेरा दबे न, तौपे सदे न दुधारों सेल।
बाँगर में बारह कौस को जंगल कईए
सरगन में मंडराय रहे कटंगी बांस मोरे वीरन।
पैले पारे सिंहन के लगे, दूजे पारे नाथन के लगे।
है झाड़ी बीच मझार।
चौथे पारे लगे हथियन के, राजा रहो है लगवाय।
राजा ने गेर गढ़िया खाई खुदवा दई
उर गेर गढ़िया कोट दओ फिरवाय॥

माँ सरनी की आज्ञा पाकर कारसदेव घोड़े पर सवार होकर निकल पड़ते है ओर सभी बाधाए पार कर बेटी जमदेव का अपहरण करके अपनी माँ के पास ग्राम झांझ ले आते है । राजा बालक के दुस्साहस से क्रोधित हो जाता है ओर कारसदेव की हत्या का षड्यंत्र रचकर एक ब्राह्मण को भेजता है लेकिन वह ब्राह्मण राजा को कारसदेव की शक्ति, शौर्य ओर चमत्कारिक पुरुषार्थ की जानकारी देकर राजा से कहता है की तुम्हारी राजकुमारी के लिए इससे अच्छा वर कही नही मिलेगा, राजा सुयोग्य वर जानकार प्रसन्न हो जाता है जिसे गौट में इस प्रकार गाया जाता है –

बामुन के वारे ने चूरिया खरीद लई। धर लयों चुरेरे को भेष ।
चुरियन के पसारे धर लये मूढ़ मझार ।
बदलत जा रये माना सी झांझ में, माना सी झांझ में ।
की खोरन में लम्मी दे रये आवाज, ओ बाई बैने हरों।
चूरिया तो पैर लो बड़े भारी मौल की ।
सरनी माता भीतर से बाहर कड़ आई, समझा रही चुरेरे को ।
बैन ऐलादी चुरेरे को समजा रई ।
मोरे कारस खों पेर में पदम, माथे पे चंद्रमा होय।
जिन के बछेरा उड़ आसमान खों जाये।
जीकों मरईया नईया कोनऊं लोक में, इतने बचना चुरेरे ने सुन लये॥

कारस देव के जीवन की सबसे बड़ी चमत्कारिक घटना तब की है जब वे तपस्या हेतु हिमालय चले गए थे तब यहा ग्राम झांझ में उनके छोटे भाई सूरपाल को एक विषधर सर्प ने डस लिया जिससे उनकी मौत हो गई कारसदेव की बहिन ऐलादी सुरजपाल की आकस्मिक मौत से अकेली पड़कर चीखने चिल्लाने लगी ओर गम में बेहोश होकर एक पत्थर पर गिर गई जिससे उसके सिर से बहुत सारा खून बह निकला। ऐलादी सूरजपाल के गम मे रोती ओर होश खो बैठती जिससे उसके सिर से गिरे रक्त से ऐलादी के हाथ रंग गए जो पत्थर की सिलाओ पर पटकने से पत्थर लाल हो गया। मान्यता है की ऐलादी के खून से रंगे हाथ की छापे आज भी जहाज गाँव के मंदिर के पास मौजूद है। उधर ऐलादी के शौकाकुल होने पर कारस देव ने हिमालय में तपस्या के दौरान अपनी शक्ति से देख लिया ओर व अपने भाई सूरजपाल के शव के पास आए। कारस देव अपनी आध्यात्मिक शक्ति से साँपों को आकर्षित करने लगे जिस इलाके में कारस देव के छोटे भाई सुरपाल को साँप ने काटा था उस इलाके के समस्त साँप घबरा कर इकट्ठे होने लगे ,और सभी साँप छोटे भाई सुरपाल को स्वयं द्वारा ना डसे जाने की दुहाई देने लगे ,अंत में डसने वाला सांप भी आ गया ,और भय से डसे गए भाई को जहर वापस खींचकर पुनर्जीवित करने को तैयार हो गया ,लेकिन शर्त रखी कि जहाँ भी जहर को डाला जायेगा वो स्थान निर्जन हो जायेगा ,या फिर कम से कम दो व्यक्तियों जान ले लेगा कारस देव ने शर्त मान ली और छोटे भाई सूरपाल जीवित हो उठे । कारस देव ने अपने दो मित्रों को जहर पीने को राजी किया जो बाद में देवता के रूप में अमर हो गए।

कारस देव के कहने से उसके जिन दो मित्रों ने जहर पिया ओर पाने प्राण दिये उनका पुनर्जन्म हुआ ओर वे कारस देव का आशीर्वाद से चमत्कारी देव बने जिन पर कोई सांप या साँप का जहर बेअसर साबित होने लगा ओर उन्हे वरदान मिला की ऐसे लोग या पशु जिन्हे सर्प काट ले वे इन दोनों मित्रो के पास पहुचे तो उन पर सर्प का असर नहीं होता है ओर वे जीवित हो जाते है। एक मित्र चंदोला गोत्र में मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के रेती गाँव में हुआ जहा उसका चबूतरा हीरा भूमिया नाम के लोक देवता के रूप में प्रतिष्ठित है तथा दूसरे मित्र विरजा का चबूतरा राजस्थान के धौलपुर जिला में स्थित है ओर मान्यता है कि किसी भी प्रकार के सांप का काटा हुआ जानवर या मनुष्य अगर इन लोक देवताओं के मंदिर तक ले आया जाये तो उसकी मृत्यु नहीं होती ,आज भी किसी के भी सांप द्वारा डसने पर सीधा मंदिर स्थान पर लाया जाता है। कारस देव गुर्जरों के साथ साथ सभी के पशुधन की हर प्रकार की बीमारी से बचाव करने वाले ,बाँझ गाय, भैंस को गर्भवती बनाने का आशीर्वाद देने वाले ,और गाय भैंस को इच्छित बछड़ा और पाड़ी (कटली, कटड़ी) प्रदान करने वाले देवता है। इनकी पूजा के समय जो भी प्रसाद वितरित किया जाता है उस प्रसाद को वही पर पूर्ण खाना होता है कोई बचाकर घर नहीं ले जाता है। इनके प्रसाद में सफेद ध्वजा, नारियल आदि चढ़ाने का चलन है। जहा इनकी पूजा होती है वहाँ पूजा के समय इनके नाम का दरवार लगता है, जिसमें लोग अपनी समस्या को सामने रखते हैं। कारसदेव के संबंध में होली, दीपावली या नवरात्रि के अवसर पर अहीर जाति के लोग इन दोनों लोक-देवताओं के समक्ष नृत्य करते हैं।

आत्माराम यादव

बालिकाओं और स्त्रियों को राष्ट्र की मुख्यधारा में अधिकारिता प्रदान करें

सामाजिक-चिंतन

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई 2024: महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया,उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित-प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार एवम आने वाली पीढ़ी शिक्षित हो जाती है, उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। बालिकाओं और स्त्रियों को केवल दया का पात्र समझकर उन्हें घर की चारदीवारी में ना रखें। अब समय आ गया है कि बालिकाओं को प्रारंभ से और स्त्रियों को उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन देकर परिवार समाज और राष्ट्रीय सहभागिता की मुख्यधारा में उत्तरोत्तर सहभागी बनाना चाहिए ।आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है। नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है। वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे -धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी में ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था । इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब सम्पूर्ण तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।गोल्ड मेडल लाकर साक्षी मलिक बहनो, फोगाट बहनों ने विश्व में भारत का नाम ऊंचा किया है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। उन्होंने भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास भी बनाया है।अब भारत में नारियों की स्थिति प्रथम पंक्ति में मानी जाती है। ऐसे में भारत में नारी शिक्षा, उनकी सहभागिता तथा उनकी आत्म निर्भरता भारत के भविष्य की शक्तिशाली ऊर्जा एवं संपत्ति ही होगी।

भारत की नारियों को नमन, प्रणाम एवं अभिनंदन।

संजीव ठाकुर
चिंतक, स्तम्भकार, विश्लेषक
वर्ल्ड रिकार्ड धारक लेखक
रायपुर, छत्तीसगढ़

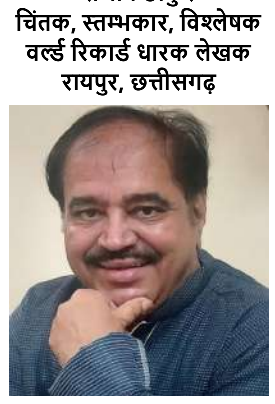

तीन दशमलव शून्य (3.0)

कोलफीव्ड मिरर 14 जुलाई 2024: समुद्र तट पर सुबह की सैर में हल्की बूंदा बांदी मजा दे रही थी। अचानक सामने छाता टांगे हमारे क्षेत्र के नेता भैया जी दिख गए। मुस्कानों का आदान प्रदान हुआ।

"राव जी। कैसे हैं। बहुत दिनों से दिखाई नहीं दिए?"

"मैं तो रोज मॉर्निंग वॉक के लिए आता हूं। आप शायद अलग टाइम पर आते होंगे इसलिए।"

"हां आपके और मेरे विचारों की तरह हमारे टाइम अलग हैं। आज थोड़ा जल्दी उठ गया इसलिए।"

"आप तो खास हैं। मैं तो आम हूं। फर्क तो होगा ही न। आपकी सोच व्यापक हमारी सोच संकीर्ण जो है, जैसा कि आप उचारते हैं।" मैं हंस दिया।

वे भी मुस्कुराकर बोले "आप से बातें करके आनंद आता है। गुस्सा भी। खैर आइए यहां इस छांव में बेंच पर बैठते हैं। बारिश भी थम गई।"

बैठते हुए मैने कहा "आप तो बड़े प्रसन्न और मंदस्मित के साथ गौतम बुद्ध लग रहे हैं। कोई खास बात?"

"हम तीसरी बार भी सत्ता में आ गए। रोबो और रोबो 2.0 की तरह। रोबो तो दो तक ही था। हम तीन दशमव शून्य यानी तीसरी पारी खेल रहे हैं।"

"जाने अंजाने ही सही अब आपके मुंह से सही शब्द निकला - खेल रहे हैं। लोगों की भावनाओं से, जरूरतों से, मध्य वर्गीय मजबूरियों से।"

"यह क्या कह रहे हो। हमारे बड़े भैया ने कहा न इस बार तिगुनी रफ्तार से विकास करेंगे।"

"तीसरी बार तिगुनी रफ्तार से विकास पे तो उतना भरोसा नहीं रहा हां एक चीज पर आपका तिगुना असर दिखाई पड़ता है।"

"वह क्या?"

"चमकिएगा नहीं। मैं सच ही कह रहा हूं। तिगुना असर महंगाई पर। चीजें तीन गुनी महंगी हो रही हैं। दस साल पहले किसी भी चीज का दाम ले लीजिए और आज के दाम से उसकी तुलना कीजिए। तीन गुना या उससे अधिक ही होगा, कम नहीं।"

"राव जी। आप तो मीन मेख निकालने में एक्सपर्ट हैं। कुछ भी कह देते हो। कुछ सोचते, सोचकर बोलते।"

"आप बताइए न तुलना करके।"

"सोने का भाव तब में और अब में ज्यादा फर्क नहीं है।"

"आपको अपने पैसे से खरीदना पड़े तो मालूम हो। कभी नहीं खरीदते तो पता कैसे चलेगा। दस साल में सोने का भाव तीन गुना बढ़ गया है।"

"सोना तो अंतरराष्ट्रीय बाजार पे कम बेसी होता रहता है। पेट्रोल, डीजल भी अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर हैं। बोलो दाल, चावल, घी, खाने के तेल के भावों में ज्यादा अंतर नहीं है।"

"दाल का, घी का, आटे का, चावल का दाम तुलना करलो तब में और अब में पता चल जाएगा। यही नहीं सब्जी, भाजी जैसी जरूरी चीजों के भी दाम आसमान छू रहे हैं।"

वे कुछ रुके और बोले "देश के विकास के लिए आम जनता को भी तो त्याग करना पड़ता है, यज्ञ में समिधा डालनी पड़ती है।"

"दुनियां गोल है भैया जी। पिछले कुछ सालों से दो चार शब्द अच्छा चिपका रखे हो अपनी जुबान पे। विकास, अच्छे दिन, जनता का त्याग। हर मौके पर इन्हीं को तोड़ मरोड़कर भाषण देने लगते हो। घूम फिरके बात वहीं आ जाती है।"

वे रुके और आसमां की तरफ नजर उठाके देखा। खड़े हो गए और बोले "मैं पता लगाता हूं, जो कुछ आपने कहा उसकी सचाईं। अगर गलत हुआ तो आपको सबके सामने माफी मांगनी होगी राव जी।"

"और अगर मैं सही हुआ तो वही काम आप करेंगे न?"

वे खामोशी से मेरे विपरीत दिशा में चल दिए। मैं हल्की बारिश में जेब में हाथ डाले भैया जी को जाते देख रहा था।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

उपचुनाव में इंडिया गठबंधन ने किया शानदार प्रदर्शन, भाजपा का घटा जनाधार

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (दिल्ली): उपचुनाव में इंडिया गठबंधन के बेहतरीन प्रदर्शन से उत्साहित कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर तंज कसा. उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, प्रधानमंत्री आज शायद किसी शादी के समारोह में (अनंत अंबानी) शामिल होंगे, उनके चेहरे पर खुशी नहीं होगी. लेकिन अब क्या किया जा सकता है. उन्होंने आगे कहा, 13 सीटों पर हुए ये उपचुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं. डेढ़ महीने में दूसरी बार देश की जनता ने बीजेपी को कड़ा संदेश दिया है. लोकसभा चुनाव में संदेश बहुत साफ था. उत्तराखंड में हमने अपनी दोनों सीटें बद्रीनाथ और मैंगलोर जीतीं. हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने 3 में से 2 सीटें जीतीं. अगर कुल 13 सीटों का आकलन करें तो बीजेपी को सिर्फ 2 सीटें मिलीं.

विधानसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को पंजाब की एक, हिमाचल प्रदेश की तीन, उत्तराखंड की दो, पश्चिम बंगाल की चार, मध्य प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु की एक-एक सीट पर मतदान हुआ था. 'इंडिया' गठबंधन में शामिल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक ने उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारे थे.

पश्चिम बंगाल की चार सीटों पर हुए उपचुनाव में टीएमसी ने अपना दबदबा कायम रखा और सभी चार सीटें जीत ली. रायगंज से कृष्णा कल्याणी को जीत मिली, तो रणघाट दक्षिण से मुकुट मणि अधिकारी ने चुनाव जीत लिया. बगदा सीट से टीएमसी उम्मीदवार मधुपर्णा ठाकुर को जीत मिली और मानिकटोला से सुप्ति पांडे को भी जीत मिली.

बिहार के रुपौली विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने बाजी मार ली है. उन्होंने सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कलाधर प्रसाद मंडल को 8246 मतों के अंतर से हराया. शंकर सिंह को कुल 68070 वोट मिले.

हिमाचल प्रदेश में तीन सीटों पर उपचुनाव हुए. जिसमें कांग्रेस ने दो सीटों पर शानदार जीत दर्ज की. जबकि बीजेपी केवल हमीरपुर सीट जीतने में कामयाब रही.

पंजाब में, सत्तारूढ़ 'आप' के मोहिंदर भगत ने जालंधर पश्चिम सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भाजपा उम्मीदवार शीतल अंगुरल को 37,325 मतों के अंतर से हराया. अंगुरल के मार्च में 'आप' विधायक के रूप में इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी.

तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अन्नियूर शिवा ने विक्रवांडी विधानसभा सीट पर पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अंबुमणि सी को 67,757 वोटों से पराजित किया.

उत्तराखंड में कांग्रेस के प्रत्याशी लखपत सिंह बुटोला ने बदरीनाथ विधानसभा उपचुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पूर्व मंत्री एवं विधायक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजेंद्र सिंह भंडारी को 5,224 मतों से हराया. बुटोला को 28,161 वोट जबकि भंडारी को 22,937 वोट मिले. वहीं, मंगलौर सीट के उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार काजी निजामुद्दीन ने अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के करतार सिंह भड़ाना को 422 मतों के अंतर से हराया.

मध्य प्रदेश में बीजेपी का जलवा बरकरार है. अमरवाड़ा सीट पर बीजेपी के कमलेश प्रताप शाही ने कांग्रेस के धीरन शाह इनवती को हरा दिया है. कमलेश प्रताप ने कांग्रेस के धीरन को 3027 मतों से हराया.

ट्रक और एंबुलेंस के बीच भीषण टक्कर, छह लोगों की मौत

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (कोलकाता): पश्चिम मेदिनीपुर जिले में शुक्रवार की रात एक ट्रक और एंबुलेंस के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि मृतकों में से चार लोग एक ही परिवार के सदस्य थे। पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी दी। बताया जा रहा है कि एक मरीज को लेकर एंबुलेंस से सभी लोग अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में सीमेंट लदे एक ट्रक से एंबुलेंस टकरा गई। टक्कर के बाद 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार पास के अस्पताल में उपचाराधीन गंभीर रूप से घायल दो लोगों की पहचान की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि एम्बुलेंस से अपर्णा बेग नाम के मरीज को खिरपई के एक अस्पताल से मेदीनपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में केशपुर से गुजरने वाले पंचमी राजकीय राजमार्ग के पास यह हादसा हुआ। अधिकारी ने शनिवार को बताया कि मरीज के परिवार के सदस्यों और चालक समेत 8 लोगों को एंबुलेंस से ले जाया जा रहा था। इसी बीच सीमेंट की बोरियों से लदे एक ट्रक से एंबुलेंस टकरा गई। उन्होंने बताया कि टक्कर के बाद छह लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि मरीज समेत दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारी ने कहा कि मृतकों की पहचान अपर्णा की मां अनिमा मलिक, उनके पति श्यामपदा बाग, चाचा श्यामल भुनिया और चाची चंदना भुनिया के रूप में की गई है, जबकि दो अन्य की पहचान अभी नहीं हो पाई है। अपर्णा और श्यामपदा की कुछ महीने पहले शादी हुई थी। उन्होंने कहा कि अपर्णा और चालक दोनों की हालत गंभीर है। चिकित्सक उनकी देखरेख कर रहे हैं।

आदिवासी लड़कियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण के लाभों से अवगत कराया

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (धनबाद): सहायक प्रोफेसर रश्मि सिंह के नेतृत्व में आईआईटी (आईएसएम) के प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों की एक टीम ने झारखंड के लोहरदगा जिले के एकलव्य मॉडल आवासीय बालिका विद्यालय कुजरा की लगभग 200 आदिवासी लड़कियों को करियर में उत्कृष्टता हासिल करने और नौकरी हासिल करने के लिए आज के युग में कंप्यूटर प्रशिक्षण के लाभों से अवगत कराया।

प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर प्रोफेसर नीलाद्रि दास सहित अन्य लोगों की टीम ने दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के लाभार्थी छात्रों से जनजातीय लोगों के लिए उन्नत स्तर की सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर प्रशिक्षण के तहत आयोजित किए जा रहे ऑनलाइन प्रशिक्षण के बारे में फीडबैक भी लिया जो छात्र केंद्र पर 1 जुलाई, 2024 से शुरू हो चुके हैं।

स्कूल की प्रिंसिपल अमृता मिश्रा और कंप्यूटर शिक्षिका मंजू कुमारी, जो आईआईटी (आईएसएम) के अतिथि संकाय सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित भौतिक कक्षाओं के दौरान उपस्थित थीं, ने बताया कि कार्यक्रम के लाभार्थी कक्षाओं में गहरी रुचि ले रहे हैं और इस वर्ष जुलाई में प्रशिक्षण सत्र शुरू होने के बाद से वह नियमित रूप से प्रशिक्षण सत्र में भाग ले रहे हैं।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम के बारे में अधिक विस्तार से बताते हुए, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की समन्वयक प्रोफेसर रश्मी सिंह, जो परियोजना की प्रमुख अन्वेषक भी हैं, ने कहा, "एक वर्ष की अवधि का पाठ्यक्रम ऑनलाइन और हाइब्रिड में आयोजित किया जा रहा है"।

प्रोफेसर सिंह ने कहा, "बुनियादी स्तर के कार्यक्रम के लिए हिंदी में पठन सामग्री पहले ही कार्यक्रम की शुरुआत में छात्रों तक पहुंचा दी गई है" और उन्होंने कहा कि संथाली भाषा में पठन सामग्री, जो ईएमआरएस स्कूलों में प्रमुख आदिवासी भाषा है, को भी छात्रों तक पहुंचा दी गई है

प्रोफेसर सिंह ने विस्तार से बताया कि "एक सप्ताह में दो सिद्धांत कक्षाएं और चार व्यावहारिक/हैंड-ऑन सत्र संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को दिए जा रहे हैं" और कहा कि समझ का परीक्षण करने के लिए छात्रों को हर हफ्ते असाइनमेंट भी दिए जा रहे हैं। कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए कड़ी निगरानी और पर्यवेक्षण किया जाएगा।

प्रोफेसर सिंह ने बताया, "यह सब ईएमआरएस स्कूलों के कंप्यूटर/ आईसीटी शिक्षकों के समन्वय में किया जा रहा है" और कहा कि संस्थान के विशेषज्ञों को समस्या समाधान सत्र आयोजित करने के लिए भौतिक मोड में ईएमआरएस स्कूलों में समस्या समाधान केंद्रों का दौरा करना है और आज का कार्यक्रम था ऐसी शारीरिक यात्रा का भी हिस्सा।

जनजातीय छात्रों के लिए विशेष रूप से उन्नत स्तर की सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर प्रशिक्षण कुल मिलाकर सात ईएमआरएस में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें ईएमआरएस काठीजोरिया, ईएमआरएस गोड्डा, ईएमआरएस रांची, लोहरदग्गा में ईएमआरएस कुजरा, ईएमआरएस दुमका, ईएमआरएस पश्चिम सिंहभूम और ईएमआरएस भोगन1डीह शामिल हैं। आईआईटी (आईएसएम) में विकास।

हास-परिहास

सप्ताह की प्रमुख ख़बरों पर व्यंग्यकार की चुटकी

ओम वर्मा

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई 2024: दिल्ली एलजी वी.के. सक्सेना ने रिश्वत लेने के मामले में कई महीनों से तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीडीसी) के तहत जाँच की मंज़ूरी दी। जैन पर 70 विधानसभा क्षेत्रों में सीसीटीवी लगाने के 571 करोड़ रु. के प्रोजेक्ट के सिलसिले में 7 करोड़ रु. की रिश्वत लेने का आरोप है।

गड्ढे से निकले नहीं, नया हुआ तैयार।
कैसे नैया 'आप' की, कभी लगेगी पार॥

अमेरिका में इस वर्ष होने जा रहे राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप दोनों बढ़ती उम्र में भी दावेदार। चुनाव की पहली डिबेट में ट्रंप से हारने के बावजूद बाइडेन ने कहा कि अब तो उन्हें यदि ईश्वर धरती पर आकर कहें तभी वे राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ेंगे।

सीढ़ी चढ़ सकते नहीं, भाषण जाते भूल।
फिर भी पद की लालसा, उनके अज़ब उसूल॥

पीएम मोदी रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑव सेंट एंडयू द एपोसल' से सम्मानित। उनकी पहल पर रूस की सेना में ग़लत तरीके से भर्ती 50 से 100 भारतीय स्वदेश लौटेंगे। रूस भारत को लंबी अवधि के लिए कच्चे तेल, कोयला एवं उर्वरक की आपूर्ति एवं नया परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने को भी तैयार। मोदी जी ने दोहराया कि रूस-यूक्रेन विवाद का हल युद्ध से संभव नहीं।

विश्व-शांति के पक्षधर, हैं जन सभी प्रबुद्ध।
किसी समस्या का नहीं, हल हो सकता युद्ध॥

सुप्रीमकोर्ट ने मुहम्मद अब्दुल समद द्वारा दायर याचिका ख़ारिज करते हुए जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने तलाक़शुदा मुस्लिम महिलाओं के हित में बड़ा फैसला सुनाया। फैसले के अनुसार वे सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर तलाक़शुदा पति से भरण-पोषण के लिए गुजारा-भत्ते की माँग कर सकती हैं। उल्लेखनीय है कि 1986 में शाहबानो प्रकरण में ऐसे ही एक निर्णय को तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने कानून बनाकर बदल दिया था।

निर्णय का स्वागत करें, आज सभी समुदाय।
हर महिला सुख से रहे, ऐसे करें उपाय॥

पाकिस्तान में चीनी कर्मचारियों और प्रोजेक्ट पर हुए हमले से ख़फ़ा हुआ चीन। पीएम शाहबाज और आर्मी चीफ मुनीर का दौरा बेअसर। चीन ने पाक को सर्वोच्च प्राथमिकता वाले देशों की सूची से हटाकर प्राथमिकता वाले देशों की सूची में डाला।

या तो चुन लो मित्रता, या चुन लो आतंक।
चाहो तो राजा बनो, या बन जाओ रंक॥

सावन की पहली सोमवारी पर जलाभिषेक करने पहुंचेगी, कृष्णा बम

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (प्रतिनिधि) सुल्तानगंज-: 22 जुलाई से विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू हो रही है। सुल्तानगंज में अभी से ही कांवरियों का पहुंचने का सिलसिला जारी है तो वही विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला को लेकर हर तरफ तैयारियां जोरों शोरों से की जा रही है। इस बार भी सावन की पहली सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ को जलाभिषेक करने के लिए मुजफ्फरपुर की माता बम के नाम से मशहूर कृष्णा बम सुल्तानगंज स्थित उत्तरावाहिनी गंगा से जल उठाएंगी। सावन में कांवरियों के बीच माता बम से प्रसिद्ध कृष्ण बम का बेसब्री से लोगों को इंतजार रहता है। कृष्णा बम डाक कांवर लेकर 14 घंटे के अंदर देवघर पहुंचती हैं। उनकी प्रसिद्धि को लेकर प्रशासन उनके आने से पहले ही अलर्ट मोड पर रहती और उन्हें विशेष तौर पर सुरक्षा मुहैया कराती है। लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता इतनी है कि लोग उनको एक झलक देखने एवं उनके पैर छूने को आतुर रहते हैं।

कृष्णा बम 1982 से 2022 तक लगातार सुल्तानगंज से डाक बम के रूप में बाबा बैद्यनाथ को जलार्पण किया। अपने स्वास्थ्य की वजह से पूर्व की तरह अब लगातार सावन में नहीं आ पाती है। लेकिन इस बार उनके आने की सूचना से सभी में खुशी का माहौल है। वर्ष 2023 में पैर टूट जाने की वजह से वे जलार्पण नहीं कर सकी थीं। उन्होंने बताया कि इस बार सावन की पहली सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करूंगी। सावन आते ही बैद्यनाथ धाम जाने की भावना जाग उठती है। कृष्ण बम ने बताया कि सावन में बाबाधाम जाने के तैयारी पूरी कर ली है।

18 जुलाई को पुणे से मुजफ्फरपुर के लिए रवाना होंगी। 20 जुलाई को पटना से दानापुर इंटरसिटी से रात में सुल्तानगंज पहुंचेंगी और 21 जुलाई को गंगा जल लेकर देवघर के लिए रवाना होंगी।

कृष्ण बम ने बताया कि कांवर यात्रा शिव की सच्ची श्रद्धा-भक्ति है। यात्रा के दौरान शिव का नाम लेकर शुद्धता से शिव का जलाभिषेक से बढ़कर कोई पूजा नहीं है। कहीं भी भटक जाएं पर ऊं नमः शिवाय का जप अवश्य करते रहें। कांवरिये पैदल कष्ट झेलते हुए धूप-छांव, बारिश की बिना परवाह किए जलार्पण करते हैं। हमारी तपस्या सच्ची होनी चाहिए। देवघर के शिवलिंग पर जलार्पण करने से बाबा भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं।

जयगुरुदेव बाबा उमाकान्त जी ने बताया राम चरित मानस का प्रैक्टिकल करने का तरीका

पिछले सन्तों ने भी उस प्रकाश को दिखाया, और आप आज भी उसे देख सकते, अनुभव कर सकते हो

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (लखनऊ /उ.प्र.): थ्योरी से आगे धार्मिक किताबों का प्रैक्टिकल करवाने वाले, करोड़ों ब्रह्मा, विष्णु, महेश को देखने का तरीका बताने वाले, जीवात्मा के कल्याण के इस मार्ग नामदान को देने के एकमात्र अधिकारी, इस समय के पूरे समरथ सन्त सतगुरु दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि आंख बंद करके अंदर में देखने के लिए (तरीका) बताऊंगा और मन को रोक करके देखने की कोशिश करोगे। मन बना लोगे कि हमको कुछ दिखाई पड़ना चाहिए, जब आपको विश्वास हो जायेगा, आपकी श्रद्धा जग जाएगी तब आपको कुछ दिखाई पड़ेगा। और ऐसी-ऐसी चीज, लीलाएं दिखाई पड़ेंगी, ऐसे रामलीला जो आप देखे नहीं हो, ऐसे सुन्दर पेड़-पौधे, मणियों -मोतियों के चबूतरे आपको दिखाई पड़ेंगे जो यहां है ही नहीं। तो उस दिव्य रूप को जब देखोगे, जिस लोक में जाओगे वहां के लोकों को देखोगे, तब आप मस्त हो जाओगे। ये आपका मृत्यु लोक है। इसके ऊपर जब जाओ तो देव लोक, करोड़ों दुर्गा, करोड़ों शंभू, ब्रह्मा लोक, विष्णु लोक, शिव लोक है, इनका सब लोक है। इनकी मां का आद्या लोक है। उसके ऊपर में इनके पिता ईश्वर जिनको कहा गया उनका लोक है। ब्रह्मलोक, पारब्रह्म लोक, सतलोक, अलख लोक, अगम लोक, अनामी लोक आदि इनके लोक है। जैसे विश्व में भारत के साथ-साथ और भी देश हैं, ऐसे ही ऊपर में भी ये लोक हैं। तो जिस लोक में आप जाओगे, वहां उन्ही जैसे आपको सब दिखाई पड़ेंगे। गोस्वामी जी ने कहा, उदर माझ सुनु अंडज राया। देखेउँ बहु ब्रह्मांड निकाया।। बहुत सारे ब्रह्मांड मैंने देखे, ब्रह्मा ही ब्रह्मा देखा, कोटि चतुरानन गौरीसा, मैंने करोड़ों शिव देखे। तो जब उन लोकों की सुंदरता को देखोगे, उनका दर्शन करोगे, मस्त हो जाओगे, खुशी से पागल हो जाओगे जैसे मीरा पागल हो जाती थी। पग घुंघरू बांध मीरा नाची। मस्त हो जाती थी तो नाचने लगती थी। जैसे अन्य लोग हैं, देखो चैतन्य प्रभु हैं, और भी लोग हैं, थोड़ा भी आभास हुआ, मस्ती आ गयी तो वो मस्त हो जाते थे, कोई करताल लेकर नाचने लगता था। कोई जो कृष्ण लोक तक, ब्रह्म लोक तक, निरंजन लोक तक ही पहुंच जाता था तो वहां का दृश्य, वहां का गाजा-बाजा सुन कर के उसी तरह से मस्त हो जाता था। ऐसे ही आपके अंदर भी मस्ती आएगी, (और यदि) दूसरों को बताने लगोगे और जैसे ही बताओगे तैसे ही वो बंद कर देगा। और जब बंद हो जाएगा तब रात दिना मोहे नींद न आवे, भावे अन्न न पानी। मीरा गली-गली में घूमती थी कि कोई हमारा ये दर्द मिटा दे। प्रियतम प्रभु की याद इस तरह से सता रही है कि जैसे तीर साल रहा हो। जैसे गोली ऐसे घूम के जाती है, जैसे तीर अंदर जाता है, इस तरह से दर्द उठ रहा है। तो बताना मत नहीं तो बंद हो जाएगा। पागलों की तरह से घूमोगे इधर-उधर, परेशान रहोगे, बोल भी नहीं पाते हैं। हम लोग तो (काफिले में) चलते रहते हैं तो मिल जाता है कोई न कोई। अब वो बोलते तो कुछ नहीं। आंखों से आंसू निकलते रहते हैं। हमारे साथ में जो लोग रहते हैं, कहते हैं, अरे कहो-कहो, क्या बात है? बोलेगा भी तो कहेगा कि ये (गुरु महाराज परम पूज्य बाबा उमाकान्त जी महाराज) जानते हैं, अब बोले कैसे? मना किया गया था (कि अंदर में जो दिखाई सुनाई पड़े उसे किसी को बताना मत)।

अंतर में ऊपर लोकों का प्रकाश खत्म नहीं होता है

ऐसे अंदर में ज्योति जल जाती है। श्री गुर पद नख मनि गन जोती। सुमिरत दिब्य दृष्टि हियँ होती।। जब गुरु की दया हो जाती तब प्रकाश ही प्रकाश हो जाता है। और वो प्रकाश कभी खत्म नहीं होता है। परम प्रकाश रूप दिन राती, नहीं कछु चाहिए दिया घृत बाती। दिया चिराग की कोई जरूरत नहीं पड़ती है। तो वह प्रकाश ऊपरी लोकों में है। जैसे ही यह पिंडी शरीर छूटता है, जीव अंड लोक में जाता है, जहां देवी-देवता रहते हैं, वह प्रकाश मिलना शुरू हो जाता है जो धीरे-धीरे बढ़ता-बढ़ता, समझो बहुत बड़े प्रकाश में यह जीव चला जाता है। तो अंदर में प्रकाश हो जाता है। देखो यहां अभी दिन में रोशनी है, आंखों से देख रहे हो लेकिन आंख बंद कर लो तो यहां दिन में भी अंधेरा है। लेकिन आंख बंद करने के बाद जब वो प्रकाश मिलता है, जब जीवात्मा शब्द से जुड़ती है, शब्द में जो प्रकाश (रोशनी) है, वो शब्द जब जीवात्मा को खींच कर के ऊपरी लोकों में ले जाता है तब बिना भूमि एक महल बना है, तामें ज्योति अपारी रे, अंधा देख-देख सुख पावे, बात बतावे सारी रे। जिन्होंने देखा, उन्होंने लिख दिया। तो यह जीवात्मा प्रकाश की नगरी में चली जाएगी। बहुत से सन्त जो आए, उन्होंने इस प्रकाश को दिखाया है और आप भी देख सकते हो, उस नगरी में जा सकते हो। गृहस्थ आश्रम में रहते हुए, बाल-बच्चों का देखरेख करते हुए, उनका पिछले जन्मों का लेना-देना, कर्जा अदा करते हुए, आप जा सकते हो। जो गुरु महाराज के नामदनी हो, आप अगर ध्यान भजन सुमिरन जो उन्होंने बताया है, करने लग जाओ, गुरु का रूप ही अंतर में आपको दिखाई पड़ने लग जाए तो गुरु ही आपका हाथ पकड़ कर के और ले जा कर के वहां पहुंचा देंगे। तो बराबर सुमिरन ध्यान भजन आप लोग करो। गुरु आदेश का पालन ही गुरु भक्ति है।

14 जुलाई कहानीकार राकेश मिश्र जन्मदिवस पर विशेष

राकेश मिश्र की काशीनाथ सिंह से पहली गुफ़्तगू - लोचन में अंजन जैसी

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई 2024: यह बात उस समय की है जब काशीनाथ सिंह बनारस में हिंदी विभाग के प्राध्यापक थे। राकेश मिश्र हिंदी पढ़ने के लिए जमशेदपुर से बनारस की ओर प्रस्थान करते हैं, बनारस आ कर विश्वविद्यालय भर्ती के लिए प्रवेश परीक्षा देते हैं। उसी दौरान काशीनाथ जी से मिलने के लिए, उनका पता पूछते हुए हिंदी विभाग पहुंच जाते हैं। उस समय गर्मियों का मौसम रहता है, अतः समय दोपहर का होने के कारण, वह विभाग में नहीं मिलते; फिर पता पूछते हुए राकेश जी उनके घर पहुंच जाते हैं और वहीं काशीनाथ जी से उनकी पहली बार भेंट होती है। काशीनाथ जी जैसे ही छात्र राकेश से मिलते हैं वैसे ही उनसे यह सवाल पूछ बैठते हैं - मुझे तुम कैसे जानते हो? यह सुन छात्र राकेश थोड़ा सकुचाते हुए उन्हें जवाब देते हैं - सर, मैं जमशेदपुर से हूँ... कहानियाँ लिखता हूँ, लिखना चाहता हूँ और आपकी कहानियों से परिचित हूँ, बनारस एंट्रेंस देने आया हूँ तो सोचा आपसे भी मिलता चलूँ। इसके बाद चाय बिस्कुट के साथ कुछ सामान्य सी बातें होती हैं, फिर वे छात्र राकेश के लिए अपनी चिंता जाहिर करते हैं कि वे इतनी दूर जमशेदपुर से बनारस अकेले आए हैं, अतः यहाँ कहाँ रहेंगे ? कहाँ ठहरेंगे? क्या व्यवस्था है? राकेश जी उन्हें आश्वस्त करते हैं कि सारी व्यवस्थाएं हो चुकी हैं। फिर काशीनाथ सिंह उनसे एंट्रेंस पास कर लेने के बाद पुनः मिलने के लिए कहते हैं। रिजल्ट आने के बाद, छात्र राकेश पुनः काशीनाथ सिंह के पास जाते हैं और हिंदी विभाग में पढ़ने के लिए इच्छा जाहिर करते हैं। यह सुनते ही काशीनाथ जी उनसे सवाल करते हैं- तुम हिंदी क्यों पढ़ना चाहते हो? वह जवाब देते हैं- सर, मैंने बताया था न आपको कि कहानियाँ लिखना चाहता हूँ और आप हिंदी विभाग के अध्यक्ष हैं तो आपके साथ रहकर ज्यादा बेहतर कर पाऊंगा। यह सुनते ही काशीनाथ जी उनसे कहते हैं- तुम्हारा एडमिशन बी.ए. में होगा और मैं बी.ए. वालों को नहीं पढ़ाता। और जब तक तुम एम.ए. में आओगे, मैं रिटायर हो चुका होऊंगा, अतः मुझसे पढ़ने की तुम्हारी इच्छा नहीं पूरी हो पाएगी। आगे वह समझाते हुए कहते हैं दूसरी बात यह कि हिंदी का कहानीकार बनने के लिए या हिंदी में कहानियाँ लिखने के लिए हिंदी ही पढ़ना कोई जरूरी नहीं, बल्कि हिंदी विभागों की जो हालत है उसमें तुम जो कुछ भी लिखना-पढ़ना चाहते हो, वह सब कुछ भी भूल जाओगे। यहाँ इतनी गुटबाजी है इतना ज्यादा एक दूसरे को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति है इसमें तुम्हारी रचनात्मकता कुंद हो जाएगी। फिर वे कई ऐसे नाम लेते हैं जो हिंदी साहित्य के विद्यार्थी नहीं थे लेकिन उन्होंने अच्छी कहानियाँ लिखी। इसके बाद उन्होंने यह आश्वासन दिया कि कहानियां लिखने में यदि परामर्श की जरूरत होगी तो वह अक्सर उनके लिए उपलब्ध रहेंगे। और उन्होंने छात्र राकेश को यह विषय पढ़ने की सलाह न दी। अतः काशीनाथ जी ने उनकी रचनात्मक लोचन पर अंजन लगा कर, सृजनात्मक परामर्श के लिए हमेशा साथ देने का वादा कर दिया। परन्तु इसके विपरीत हिंदी विभाग में न आने की सलाह सुनते ही मानो छात्र राकेश के भीतर एक उद्वेलन का जन्म हुआ, और उस भीतरी उद्वेलन के कारण ही मानो उनकी बहुत सारी बातें अधूरी रह गई हो । छात्र राकेश थोड़े निराश होते हैं, वह सभी को बता चुके थे कि हिंदी पढ़ने के लिए बनारस जा रहे हैं, अब मामला कुछ और बनता जा रहा था । छात्र राकेश का मन नहीं मानता और वह काशीनाथ जी से छुपते-छुपाते हिंदी विभाग के लिए अप्लाई कर देते हैं , पर काशीनाथ जी ने छात्र राकेश के इरादों को पहले ही भांप लिया था

अतः वह उनके फार्म पर नजर रखे हुए थे, और जैसे ही उन्होंने सूची में राकेश मिश्र का नाम देखा, उस फार्म को निकालकर वापस कर दिया। राकेश जी बड़ी दुविधा में फंसे, उन्हें आश्चर्यजनक रंज हुआ कि क्या मैं इसीलिए इतनी दूर हिंदी पढ़ने के अपने मन में व्यग्रता लिए आया था ; परन्तु उन्हें उस समय क्या पता था कि उनका वास्ता एक सच्चे गुरु से हो चुका था। मन मारकर राकेश जी इतिहास को हिंदी के करीब मानते हुए, इतिहास विषय में ही एडमिशन ले लेते हैं। परन्तु इसके बाद भी जब जमशेदपुर के मित्रों से उनका मिलना होता, तो वह यही कहते कि मैं हिंदी पढ़ रहा हूँ।

इनसब के बाद छात्र राकेश का काशीनाथ सिंह से मिलना-जुलना अक्सर होता। रोज शाम उनके साथ अस्सी घाट तक पैदल घूमना और उसी क्रम में कहानियों पर बात-चीत भी। समकालीन कहानीकारों व उनकी कहानियों पर चर्चा होती, तो कभी विश्व साहित्य पर भी बात होती यह सभी चीजें छात्र राकेश को आकर्षित करती, वे उसमें रमते चले गयें। कुल मिलाकर कहें तो उस समय का छात्र राकेश, सिर्फ कहानीकार राकेश मिश्र हो पाने ही नहीं, बल्कि जीवन जीने के भी विविध अनुभव सीख रहा था।

इसी बनारस में रहते हुए राकेश मिश्र ने 'तुमने जहाँ लिखा है प्यार, वहाँ सड़क लिख दो' का सृजन किया। इस कहानी का शीर्षक केदारनाथ सिंह की कविता से उन्होंने ली, जो उस समय शंकर जी द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'अब' में छपी थी। उनके द्वारा सृजित यह सड़क, उनकी सृजनात्मकता का शाश्वत प्रेम बन जाता है । हालांकि अपनी इस कहानी को वे भले ही महत्वाकांक्षी कहानी मानते हों, परन्तु यह कहानी लिख लेने के बाद भी राजेन्द्र यादव जी के साथ उनकी जो एक और कहानी बनती है, वह उनके रचनात्मक सरोकारों का ही केवल वृहद विस्तार नहीं करती है, अपितु उन्हें उनके शुरुआती बचकानेपन से अवगत भी करवाती है। शायद! यही कारण है कि इस दौर की लिखी कहानियों को राकेश मिश्र अभ्यास की कहानियां मानते हैं।

विवेक कुमार साव
(लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में शोधार्थी है।)

सरकार कड़ा प्रहार करें

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई 2024: पूर्व में जम्मू कश्मीर में पाकपरस्त आतंकवाद घाटी तक ही सीमित था। जम्मू संभाग, कठुआ, डोडा, राजौरी-पुंछ में वैकल्पिक रणनीति के तहत आतंकी हमले किए जाते थे। ज्यादातर सैन्य वाहनों को निशाना बनाया जाता था। करीब 20 साल पहले जम्मू संभाग से आतंकियों का सफाया कर दिया गया था। कुछ हद तक सरकार का यह दावा सही है, लेकिन अब जो आतंकी हमले बढ़े हैं, उनके मद्देनजर लगता है कि जम्मू क्षेत्र और उसके आसपास पाकपरस्त आतंकवाद लौट रहा है। बीते साल सबसे अधिक आतंकी हमले राजौरी -पुंछ में किए गए। दरअसल जम्मू संभाग में आतंकी हमले लोकसभा चुनाव और जम्मू कश्मीर में ज़बरदस्त मतदान के जरिए लोकतंत्र के समर्थन और 9 जून को तीसरी बार मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के बाद बढ़े हैं। जिसे पाकिस्तान बर्दाश्त नहीं कर पा रहा हैं। कश्मीर में आतंकवाद के करीब साढ़े तीन दशक बीत चुके हैं। बेशक हमारे ऑपरेशन कामयाब भी रहे हैं। आखिर हमारी सेना पाकिस्तान से अनवरत जारी रही घुसपैठ को रोक क्यों नहीं पाई? उनके मददगारों यानि पनाह देने वालों पर भी कानूनी प्रहार करें। एक बार पुनः एयरस्ट्राइक जैसा कदम उठाकर आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करना ही होगा।

संजय एम. तराणेकर, इंदौर (म. प्र.)

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

मानवाधिकार फ़ोरम ने ट्रेनों में अनियंत्रित भीड़ को लेकर मंत्रालय को संज्ञान के लिए लगाई गुहार

***चार महीने पहले ही सभी ट्रेनें फूल, अनियंत्रित भीड़ से जान-माल को खतरा**

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (नई दिल्ली): हमारे देश के पूर्वी क्षेत्र में छठ का त्योहर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस पर्व को मनाने के लिए प्रदेश से बाहर रहने वाले लोग अपने घरों के लिए जरुर जाते हैं। ऐसे में ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ टूट पड़ती है। छठ पर्व में अभी चार महीने का वक्त बाकी है, लेकिन पूर्व के क्षेत्रों में जाने वाली सभी ट्रेनों का एडवांस बुकिंग हो चुकी है और वेटिंग लिस्ट में टिकट मिलना भी बंद हो गया है। सूत्रों का कहना है कि छठ के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए जल्द ही विशेष ट्रेनों की योजना तैयार की जाएगी, लेकिन विशेष ट्रेनों में भी यही हाल रहती है और टिकट मिल भी जाए तो गाड़ीयां तय समय से काफी विलम्ब रहती या ट्रेने रद्द कर दी जाती है।

इस संवेदनशील मामले को राष्ट्रीय मानवाधिकार एक्शन फ़ोरम के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी व् समाजसेवी ईं आरके जायसवाल ने रेल मंत्री, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व सांसद जनप्रतिनिधियों को एक आग्रह पत्र लिखकर ध्यानाकर्षित कराते हुए कहा है कि इस रूट की सभी टेनें फूल हो गई है और अब सीटों के आरक्षण को लेकर रेलवे अधिकारी खेद प्रकट कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ साल पूर्व स्टेशनों पर अनियंत्रित भीड़ कि बजह से कई बार जान माल कि नुकसान भी हो चुकी है और अब यह ज्यादा संवेदनशील दिखाई दे रहा है।

गौरतलब हो कि इस रूट में सभी ट्रेनों में भीड़ पूरे साल बना रहता है जिससे टिकट नहीं मिलता है, साल के किसी भी समय में महिनों पहले सभी ट्रेनें फूल होती है और कभी कन्फर्म टिकट मिल जाए तो ऐसा प्रतीत होता है कि हम कोई परिक्षा पास कर गए। पत्र में अनुरोध करते हुए कहा कि मामले को गंभीरतापूर्वक संज्ञान में लेते हुए इस विषय पर चिंतन कर जल्द से जल्द आवश्यक निर्देश दिया जाएं ताकि इस रूट पर यात्रा में कठिनाई ना हो और जान-माल कि रक्षा भी हो सके।

साथ ही पत्र में यह ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा है कि सुचारू रूप से अधिक से अधिक ट्रेनों की संचालन से देश के राजस्व वृद्धि में भी काफी इजाफा होगा। इन सभी बातों व अनियंत्रित भीड़ को ध्यान में रखते हुए इस सभी रूटों पर आधारभूत संरचना के साथ-साथ स्थायी नई ट्रेनों को चलाने कि मांग कि गई है।

क्या कहेंगे लोग

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई 2024: आज के समय की सबसे बड़ी समस्या है कि लोग क्या कहेंगे। लोग तो चढ़ते हुए को हँसते है और उतरते हुए को भी देख हँसते है इसलिये लोगों का क्या है। ऐसे में उचित है कि निसंकोच अपने तरीके से चलते जाना है। कोई कुछ भी समझे उस ओर ध्यान ही न देना। समझ लें! लोग शायद पहले दिन हँसेंगे, दूसरे दिन उसका मजाक उड़ाएँगे और तीसरे दिन भूल जाएँगे। इसलिए लोगों की परवाह क्यों करें जो उचित लगे वो करें। जिससे हम खुश हों वो ही करें। हमारी बाह्य दृष्टि तक ही चिंतन न चले, हम अंतर्दृष्टि और बाह्य दृष्टि दोनों का सन्तुलन का जीवन जीयें तो सब समस्याओं से रहित शांत जीवन जी सकते है। अनेकांत की भगवान महावीर की शैली हमें प्राप्त है। गुरुदेव तुलसी जी ने भी श्रावक संबोध में हमें बार-बार जैन जीवन शैली के सूत्रों में यही सब सामंजस्य बैठाकर शान्ति के साथ सहज-सरल जीवन जीने की प्रेरणा दी हैं। जिंदगी एक किताब की तरह होती है। हर एक जिंदगी एक किताब की तरह होती है जिसकी कहानी पहले पन्ने जन्म से शुरू होती है, किताब के बीच में तमाम उतार चढ़ाव भरे रहते है। जिंदगी की शाम जब रात में बदलती है वही जिंदगी का आखिरी पन्ना कहते है। यूं तो हर एक जिंदगी की अलग अलग कहानी होती है पर सुबह और रात हर जिंदगी की एक सी होती है, जिंदगी की सुबह और रात कोई भेद नही करती है ।हमे यह याद रखना है कि जिंदगी हमारी है लोगों की नहीं। हमारा जो सुचिंतित पथ है वही सही है।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

बाप बेटे दोनों ही अपने हित में राजनीतिक खेल खेंल रहे हैं तथा इन्हें देश, प्रदेश हित नहीं बल्कि अपना हित बैहद जरूरी लगता हैं

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई 2024: कठुआ में सेना के वाहन पर आतंकियों ने हमला किया और घने जंगलों से होते हुए पीओके में भाग गए इस पर इस बार फारूक अब्दुल्ला ने इनके पाकिस्तानी आकाओ को धमकी देते हुए कहा है कि इन वारदातों के चलते पाकिस्तान से बातचीत करना असंभव है तब इसे सुनकर हर भारतीय आज शायद यही समझ रहा है कि फारूक अब्दुल्ला भारतीय हितों को ध्यान में रखकर अपनी बात कह रहे हैं परंतु जब उनके ही सुपुत्र एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यह कहा कि आतंकी बेशक बेकसूर है, अतः इन्हें हल्के में हि लेना चाहिए। तब यह सुनकर हमें तो यही लगता है कि हमेशा हि यह अब्दुल्ला परिवार अपनी सेहत के अनुसार राजनीतिक बयान बाजी करता है एवं इन्हें देशहित से कोई ताल्लुक नहीं रहता है। कारण जब पिता फारूख अब्दुल्ला ने आंतक के नाम पर पाकिस्तान को लताड़ा तो वहीं दूसरी ओर बेटे उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के भेजे जा रहे आतंकियों को दुलारते हुए उन्हें बेकसूर आंतकी कहा है यानी दोनों ही बाप बेटे राजनीति में बने रहने के लिए अपने बयान बदलते रहते हैं एवं उनकी निगाह में देश हित कोई बड़ा मसला नहीं है, जबकि आज देश तो यही चाहता है कि जब आज देश हित में धारा 370 हटाने के बाद आज इन कश्मीरी दलों के नेताओं को जब हर तरह से कानुनन सुख सुविधा मिल रही है तब अब इन सभी को यह अवश्य समझ लेना चाहिए कि हमारा भला, कश्मीर का भला अब भारत के साथ जुड़े रहने में ही तय है अतः फिर जब यह सब राजनैतिक दल चुनाव जीत कर प्रादेशिक स्तर पर सत्ता में आएंगे तो इनका हित एवं प्रदेश का हित देश के साथ ही जुडा होना चाहिए। मगर यहां तो हमेशा देखा यही जाता है कि पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस हमेशा पाकिस्तान की तरफ से हि बातें करते नजर आते हैं तथा इसमें भी उन्हें अपने हितों का सबसे ज्यादा ध्यान रहता है।भारत देश एवं कश्मीर प्रदेश के हित से इन्हें कोई वास्ता नहीं रहता हैं, अतः यह सब अब यहां की जनता को अवश्य समझ लेना चाहिए कि बरसों से कश्मीर घाटी पर राज करने वाले इन राजनीतिक दलों एवं इनके नेताओं ने हमेशा कश्मीर का भला न सोच कर पाकिस्तान के हित की बातें हि क्यों करते रहते हैं जबकि पाकिस्तान ने तो कभी भी इस कश्मीर घाटी का कोई भला कभी नहीं चाहा उसने तो हमेशा ही यहां पर आतंकी भेज कर कश्मीर घाटी को बर्बाद करने का ही अधिक प्रयास ज्यादा किया है। अतः हमारा तो आज कश्मीर की जनता को यही कहना है कि उन्हें ऐसे स्वार्थी नेताओं का बाय काट अवश्य करना चाहिए तथा ऐसे सच्चे एवं ईमानदार नेताओं को चुनना चाहिए जो कश्मीर घाटी का हित और देश का हित चाहते हो तथा जो कश्मीर की जनता का भी सर्वाधिक भला चाहते हो एवं जो कश्मीर के विकास को अपना व्यक्तिगत स्वार्थ समझते हो।

मनमोहन राजावतराज
शाजापुर

वह सिर्फ तू है, सिर्फ तू है

कल को अगर नहीं रहे,
हम दोनों के बीच प्यार,
या फिर बन जाये दोनों के संवाद,
कल को एक रणक्षेत्र।

टूट जाये अगर कल को,
हम दोनों के बीच के रिश्तें,
जो आज है इतने मजबूत,
मत देना इसका दोष तू मुझे।

क्योंकि अगर मेरे जीवन में,
मैंने किसी से सच्चा प्यार किया है,
और इस दुनिया में अगर,
मैंने किसी को सच्चे दिल से चाहा है।

अगर किसी के लिए मेरे मन में,
सच्ची और सही भावना जागी है,
या फिर करता हूँ प्रार्थना ईश्वर से,
जिसके लिए मैं हरवक्त।

जिसकी खुशियों को स्वप्न मानकर,
जी रहा हूँ मैं यह जिंदगी,
अगर किसी का नाम आया है आज तक,
मेरे इन लबों पर बार बार।

इतराता हूँ जिस पर मैं बहुत ही,
और लिखता हूँ जिसके नाम पर
नगमें,
वह कोई और नहीं है,
वह सिर्फ तू है, सिर्फ तू है।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने परीक्षा-प्रणाली में उठायी व्यापक सुधारों की माँग

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई 2024: सीयूईटी - यूजी परीक्षा की उत्तर कुंजियों में इस बार आई विसंगतियां अत्यंत गंभीर है जो प्रतियोगी परीक्षाओं के संरचनात्मक दोषों को रेखांकित करता है । इस पर शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने सदैव जोर देकर सुधारों की मांग की है और अपनी ओर से विकल्प प्रस्तावित किये हैं । यह बात शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के प्रतियोगी परीक्षाओं के राष्ट्रीय संयोजक देवेन्द्र सिंह ने कही। उन्होंने कहा सर्वप्रथम यह विचार करना आवश्यक है कि केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को छोड़कर देश के सभी राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों को सीयूईटी - यूजी एवं पीजी परीक्षा में शामिल करने की आवश्यकता है या नहीं। राज्यों की अपनी परिस्थितियाँ हैं, वहाँ के छात्रों की अलग अपेक्षाएं हैं एवं राज्य विश्वविध्यालय एवं निजी विश्विद्यालयों में पाठ्यक्रम,विभिन्न कोर्स की उपलब्धता, संसाधनों की उपलब्धता भी अलग अलग है। देश की विविधता, विशाल जनसँख्या, अंतर विश्विद्यालय विभिन्नता आदि को दृष्टिगत करते हुए पूरे देश के विश्विद्यालय सिस्टम हेतु एक ही परीक्षा का विकल्प विवेकसम्मत नहीं होगा।

श्री देवेंद्र ने कहा जहाँ तक त्रुटिपूर्ण उत्तर कुंजियों का प्रश्न है, इस पर परीक्षा लेने वाली संस्थाओं को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए कि क्यों वह संसाधनों के होते हुए 100-50 प्रश्नों के ठीक ठीक उत्तर नहीं दे पाती। यह भी सोचना चाहिए कि किस प्रकार विद्वान् एवं समर्पित प्राध्यापकों को प्रश्न-निर्माण के कार्य में सम्मिलित किया जाए।

उन्होंने आगे बताया कि त्रुटिपूर्ण उत्तर कुंजियों की समस्या संघ लोक सेवा आयोग से लेकर राज्यों के स्टाफ सिलेक्शन कमीशन तक व्याप्त है। अतः देशभर के विद्वान् प्राध्यापकों हेतु प्रश्नपत्र निर्माण एवं परीक्षा प्रक्रिया में ड्यूटी सेवा का अनिवार्य भाग बनाया जाये तथा प्रश्न पत्र निर्माण, प्रतियोगी परीक्षा की कॉपी की जांच, साक्षात्कार पैनल में भागीदारी को सेवा / ड्यूटी का अपरिहार्य अंग घोषित कर सेवा नियम में इसे समिलित किया जाना चाहिए । प्रश्न पत्र निर्माण की योग्यता कौन रखता है, कौन नहीं, इसके मानकों में भी अलग-अलग संस्थाओं में बहुत अंतर है। इस पर भी विचार कर परीक्षा प्रणाली के अनुरूप पुराने पड़ चुके मानकों का पुनर्निर्धारण होना चाहिए। योग्यता प्राप्त प्राध्यापकों, अन्य विशेषज्ञों, सेवानिवृत्त विद्वानों को भी वस्तुनिष्ठ प्रश्न बैंक के निर्माण में योगदान देने का समुचित अवसर दिया जाना चाहिए।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने परीक्षा व्यवस्था, प्रश्न पत्रों के स्तर, परीक्षा आयोजन में रही कमियों, छात्रों की समस्याओं आदि के बारे में शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों से निरंतर फीडबैक की एक प्रणाली पर पुनर्विचार करने हेतु माँग उठायी है और साथ ही समग्र रूप से परीक्षा प्रणाली की समय-समय पर देश के विख्यात एवं उस व्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले विद्वानों द्वारा समीक्षा की जानी चाहिए ताकि ये प्रणालियाँ रातों रात हुए किसी क्रांतिकारी बदलाव की जगह स्वाभाविक रूप से विकसित होकर अनुकरणीय बन सकें।

वो बरसात किस तरह भुलुं

तुम्हारी ज़ुल्फ़ों की हंसी शाम मैं किस तरह भुलुं।
पहली नज़र ही आपकी उफ़ मैं किस तरह भुलुं।

शौक था के महफ़िल में उनसे कलाम कर लुंगा।
तुम्हारी बेरुख़ी,और मेरा दिल किस तरह भुलुं।

सताता है वो लम्हा जो पहलु में तेरे कभी गुज़रा।
याद आती है वो रात,वो बरसात किस तरह भुलुं।

हर वादा तेरा मेरी आरज़ुओं के साथ बिखरा है।
हंसीं ख़्वाबों की ताबीर वो हंसीं किस तरह भुलुं।

चांद का बदलियों से खेलना मंज़र बड़ा सुहाना है।
अपने हाथों में वो ज़ुल्फ़ऐ जाना मैं किस तरह छुलुं।

उसने भुलाया है मुझे ये बात अलग है "मुश्ताक़"।
वो है मेरी मुहब्बत है मैं उसको किस तरह भुलुं।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

डीएम द्वारा रेगुलर औचक निरीक्षण-स्कूलों में व्याप्त अनुशासनहीनता,समय का दुरुपयोग व स्टाफ की मनमानी को उजगार कर सख़्त कार्यवाही का सटीक तरीका

भारत में संपूर्ण ग्रांटेड स्कूलों में सक्षम बड़े अधिकारियों द्वारा रेगुलर निरीक्षण की सख़्त ज़रूरत

सभी राज्यों के जिला प्रशासन द्वारा आपसी समन्वय से ग्रांटेड स्कूलों में इंट्रा जिला औचक निरीक्षण की नीति अपनानें से भारी खामियां उजागार होने की संभावना- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर दुनियां के हर देश के विकास कादरवाजा शिक्षा रूपी कुंजी या चाबी से खुलता है। हमारे भारतवर्ष के विकसित भारत मिशन 2047 का एक प्रमुख स्तंभ भी शिक्षा ही है, इसलिए शिक्षा के ज्ञान को पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी जवाबदेही व जिम्मेदारी से शिक्षकों ने छात्रों को देना व छात्रों ने उसी एंगल से ग्रहण करना ही सच्चा गुरु शिष्य प्रेम है। हर शिक्षक को अपने शिष्य छात्रों को पूरी निष्ठा,समर्पण व त्याग के भाव से शिक्षा रूपी ज्ञान देना उसका परम कर्तव्य सहित राष्ट्रीय प्रेम का प्रतीक भी है, परंतु समय का तकाजा है कि कुछ लोग इस पवित्रप्रथा को दूषित करने में लगे हुए हैंइसलिए ही कुछ वर्षों से भयंकर पेपर लीक के मामले, स्कूलों में अनुशासनहीनता व सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी का अनमोल अस्त्र मोबाइल हैंडसेट स्कूल अनुशासन की मर्यादा भंग करने में अहम रोल निभाने की ओर कदम बड़ा गया है। परंतु अगर शिक्षकों का छात्र, शिक्षा, राष्ट्र व हृदय प्रेम अटल है तो यह मोबाइल प्रेम भी उनके कर्तव्य निष्ठा के आड़े नहीं आएगा, उनको डिगा नहीं पाएगा। यह अगर हर शिक्षक को समझने की जरूरत आन पड़ी है। परंतु कुछ शिक्षक इस भाव को समझ नहीं पा रहे हैं और स्कूलों में मोबाइल चलाकर फेसबुक व्हाट्सएप गेम्स व कुछ गलत क्लिप व फिल्में देखकर छात्रों की पढ़ाई को नजर अंदाज कर उनके भविष्य के हसीन सपनों को खराब कर राष्ट्र के खिलाफ काम करने पर आमदा है, जिनके लपेटे में ईमानदार शिक्षक भी आ रहे हैं। इसीलिए शासन प्रशासन के लिए अब यह अनिवार्य हो गया है कि भारत के सभी ग्रांटेड व निजी स्कूलों में नियमित रूप से सक्षम बड़े अधिकारियों द्वारा रेगुलर निरीक्षण की सख्त जरूरत आन पड़ी है, क्योंकि दिनांक 10 जुलाई 2024 को यूपी के संभल में इसी औचक निरीक्षण के दौरान कई गलतियां व ढाई घंटे मोबाइल चलाते हुए एक शिक्षक को पकड़ा गया है, जो एक ऐप के माध्यम से मोबाइल हैंडसेट से पता चलजाता है कि मोबाइल हैंडसेट का कितना उपयोग किस समय हुआ है। बता दें राजस्थान में स्कूलों में शिक्षकों को मोबाइल ले जाने पर बैन लगा दिया गया है,जो आज हर राज्य को राजस्थान के इस मॉडल को फॉलो करने की जरूरत है। चूंकि एक डीएम द्वारा औचक निरीक्षण में स्कूलों में व्याप्त अनुशासनहीनता समय का दुरुपयोग स्टाफ की मनमानी को उजगार कर सख्त कार्यवाही करने का एक सटीक तरीका है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल केमाध्यम से चर्चा करेंगे, सभी राज्यों के जिला प्रशासन द्वाराआपसी समन्वय से ग्रांटेड स्कूलों में इंट्रा जिला औचक निरीक्षण की नीति बनाई जाए जिससे भारी खामियां उजगार होने की पूरी संभावना है,जिससे विजन 2047 को पाने की दिशा में एक बड़ा सटीक क़दम होगा।

साथियों बात अगर हम दिनांक 10 जुलाई 2024 को यूपी के संभल में डीएम द्वारा एकसरकारी स्कूल का औचक निरीक्षण करने की करें तो,यूपी के संभल जिले के एक सरकारी स्कूल में निरीक्षण पर पहुंचे डीएम ने पाया कि एक टीचर ड्यूटी टाइम में मोबाइल गेम खेल रहे थे. डीएम ने टीचर का मोबाइल चेक किया तो पता चला कि 5.30 घंटे के स्कूल टाइम में उन्होंने एक घंटा 17 मिनट कैंडी क्रश खेला और इसके अलावा सोशल मीडिया का भी यूज किया. इतना ही नहीं जब डीएम ने टीचर द्वारा चेक की गई कॉपियों को दोबारा देखा तो छह पेज में 95 गलतियां भी सामने आईं. मोबाइल में कैंडी क्रश गेम खेलने वाले टीचर को डीएम के निर्देश के बाद सस्पेंड कर दिया गया है। संभल केएक सरकारी स्कूल में डीएम औचक निरीक्षण पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने टीचरों का शिक्षण कार्य देखा और बच्चों के पढ़ाने के तरीके पूछे, उसके बाद शिक्षकों द्वारा जांची गई गृह पुस्तिकाओं को खुद चेक किया। डीएम ने क्लास के 6 छात्रों की कॉपियों के 6 पेज चेक किए तो शिक्षक के द्वारा चेक की गई कॉपियो के 6 पेज में 95 गलतियां देखने के लिए मिली हैं. जिसमें पहले पेज पर 9 गलतियां, दूसरे पर 23 गलतियां, तीसरे पेज पर 11 गलतियां, चौथे पेज पर 21 गलतियां, पांचवे पेज पर 18 गलतियां और छठे पेज पर 13 गलतियां देखने के लिए मिली। इसको लेकर उन्होंने टीचरों को फटकार भी लगाई।इस दौरान उन्होंने एक शिक्षक और एक शिक्षिका की बेहतर कार्यशैली की तारीफ भी की इस दौरान डीएम ने शिक्षक प्रेम गोयल के मोबाइल की डिजिटल वेलबेंग फंक्शन से हिस्ट्री निकाली तो सामने आया कि उन्होंने स्कूल टाइम में करीब दो से ढाई घंटा मोबाइल चलाया, जिसमें एक घंटा 17 मिनट कैंडी क्रश सागा गेम खेला गया। 26 मिनट फोन पर बात की गईइसके अलावा 17 मिनट फेसबुक,11 मिनट गूगल क्रोम, 8 मिनट एक्शन दश,6 मिनट यूट्यूब, 5 मिनट इंस्टाग्राम और 3 मिनटरीड आलोंग ऐप चलाया गया, इनमें से केवलरीड आलोंग ऐप ही विभागीय ऐप है।इस स्कूल में कुल 101 छात्र-छात्राओं का नाम दर्ज है, लेकिन जब डीएम निरीक्षण पर पहुंचे तो स्कूल में 50 फीसदी से भी कम छात्रों की उपस्थिति दर्ज की गई। इस दौरान वहीं कुल 47 छात्र-छात्राएं ही मौजूद थे। हालांकि निरीक्षण के दौरान पांचों शिक्षक मौजूद थे। वहीं इस मामले में डीएम ने कहा,स्कूल के निरीक्षण में स्कूल में कायाकल्प का काम चल रहा था। प्रधान कार्य में सहयोग नहीं कर रहे थे। ऐसे में बीडीओ को निर्देश दिए गए हैं कि कायाकल्प के काम में सहयोग कराएं। जिन पुस्तिकाओं को टीचर चेक कर चुके थे, उनमें कई कमियां मिलीं है। स्कूल टाइमिंग में एक टीचर कैंडी क्रश सागा गेम खेल चुके थे इस दौरान डीएम ने खराब एजुकेशन क्वालिटी को लेकर शिक्षा विभाग से नाराजगी जताई।

साथियों बात अगर हम कुछ दिन पूर्व एक अन्य स्कूल में औचक निरीक्षण की करें तो, शिक्षक ही नशे में धुत होकर आए तो उस विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों का भविष्य कितना सुनहरा होगा इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। यह किसी एक विद्यालय की स्थिति नहीं है, कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें शिक्षक नशे की हालत में विद्यालय पहुंच रहे हैं। इसे लेकर कुछ शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई भी की गई है। ऐसा ही मामला माध्यमिक शाला पलकी का प्रकाश में आया है। मंगलवार को यहां मध्यान्ह भोजन की जांच करने अधिकारियों की टीम पहुंची हुई थी। टीम को देखते हुए शिक्षक वहां से भाग खड़ा हुआ। शिक्षक के भागते हुए का ग्रामीणों ने वीडियो भी बनाया। जांच दल ने शिक्षक के खिलाफ पंचनामा बनाया है, जिसे उच्च अधिकारियों के समक्ष कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। भाग रहे शिक्षक से स्कूल में न होने की वजह पूंछी गई तो वह शौच के लिए जाने का बहाना करते नजर आ रहे हैं।माध्यमिक शाला पलकी में 86 बच्चे दर्ज हैं, लेकिन शिक्षक की इन हरकतों से तंग आकर 40 से 45 बच्चे ही स्कूल आते हैं। हाल ही में हदवानी बीईओ कार्यालय का एक पत्र सामने आया था। पत्र के मुताबित सिर्फ मेंहदवानी विकासखंड के 15 शिक्षकों को कार्रवाई के लिए चिन्हित किया गया है। यह शिक्षक भी नशे की बुरी लत की चपेट में है। नशे के शौकीन यह शिक्षक पढाई के नाम पर नौनिहालों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।पलकी गांव के ही हाईस्कूल में पदस्थ शिक्षक ने बताया कि माध्यमिक शाला में पदस्थ शिक्षक प्रतिदिन नशे की हालत में आते हैं। वहीं स्कूल में पढने वाले बच्चों ने बताया कि शिक्षक देरी से स्कूल आते हैं और छुट्टी होने के पहले ही स्कूल से चले जाते हैं।

साथियों बात अगर हम राजस्थान में स्कूल अवर्स में मोबाइल बंदी व शिक्षा मंत्री के बयान व मंत्रालय के आदेश की करें तो, राज्य के सरकारी स्कूलों के लिए सख्त कदम उठाए हैं,उन्होंने स्कूलों में मोबाइल पर बैन लगाया है। खासकर टीचरों को मोबाइल ले जाने पर सख्त मनाही की गई है। इसके अलावा उन्होंने कहा है कि टीचर्स भैरूजी, बालाजी की पूजा और नमाज पढ़ने के नाम पर स्कूल नहीं छोड़ेंगे।उन्होंने स्कूल में टीचरों के मोबाइल ले जाने पर नारजगी जताई है। साथ ही सख्त निर्देश देते हुए इस पर प्रतिबंध लगाया है। स्कूल में मोबाइल रखने की अनुमति सिर्फ प्रिंसिपल को होगी। उन्होंने स्कूलों में बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए टीचरों को हिदायत भी दी है। उन्होने स्कूल टाइम में किसी भी पूजा-पाठ और नमाज के नाम पर स्कूल छोड़ने वाले टीचरों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है।उन्होंने साफ कहा है कि अगर कोई टीचर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होना चाहता है तो वह छुट्टी लेकर जा सकता है। उनके मुताबिक, स्कूलों के निरीक्षण के दौरान अकसर ऐसे मामले सामने आते हैं। उनका कहना है कि इस तरह से बच्चों की पढ़ाई में बाधा उत्पन्न होती है। इसके पीछेउन्होंने तर्क देते हुए कहा है कि स्कूलों में टीचर पूरे दिन मोबाइल पर शेयर मार्केट और न जाने क्या-क्या देखते रहते हैं। टीचर्स उसमें उलझे रहते हैं, इससे बच्चों की पढ़ाई का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि मोबाइल एक बीमारी जैसा हो गया है। अगर कोई शिक्षक गलती से मोबाइल लेकर आ जाता है तो उसे अपना मोबाइल प्रिंसिपल के पास जमा कराना होगा। केवल प्रिंसिपल को ही स्कूल में मोबाइल लाने की अनुमति होगी।उन्होंने कहा है की टीचर बच्चों को पढ़ाने से पहले खुद पढ़कर जाएं जिससे बच्चों को पढ़ाई में मदद मिले। कुछ शिक्षक स्कूल में मोबाइल ले जाते हैं और वहां पर बच्चों को पढ़ाने की अपेक्षा मोबाइल ही देखते रहते हैं। ऐसे में बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। इस कारण शिक्षा मंत्री ने सख्त आदेश जारी कर दिये हैं। ताकि अब कोई स्कूल में मोबाइल नहीं चला सके। शिक्षा मंत्री ने साफ कह दिया है कि अगर कोई इस आदेश की अवेहलना करता है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। शिक्षक अपने परिवार या अन्य लोगों को प्रिंसिपल का नंबर दे सकते हैं। जो विद्यालय में चालू रहेगा। लेकिन अन्य टीचर फोन नहीं ले जा सकेंगे।उन्होने कि शिक्षक मोबाइल ले जाते हैं, वह या तो शेयर मार्केट देखते रहते हैं या फिर सोशल मीडिया पर समय गंवाते हैं। ऐसे मैं स्कूल में शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। उसे दुरुस्त करने के लिए हम यह सब कर रहे हैं। इसकी पालना आज से ही शुरू कर दी गई है। ऐसा नहीं करने पर शिक्षकों के खिलाफ एक्शन लिया जाए उन्होने अपने सरकारी आवास पर इसके बारे में जानकारी दी ऐसी जानकारी मीडिया में आई है। उन्होने कहा पता नहीं मोबाइल में क्या- क्या देखते रहते हैं। कई शिक्षकों के बारे में शिकायतें मिलती है कि वे दिनभर मोबाइल में ही व्यस्त रहते हैं। पता नहीं इतना वे क्या देखते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षकों के स्कूल में मोबाइल ले जाने पर पहले से रोक लगी हुई है। बच्चों के भविष्य के लिए यह उचित कदम है। वर्तमान सरकार इन नियम को सख्त तरीके से लागू करने का प्रयास कर रही है। नियमों की पालना कराना और स्कूलों का वातावरण सही करना सरकार की प्राथमिकता है।बता दें कार्यालय संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा कोटा संभाग कोटा ने आदेश जारी किए है। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कोटा, बांरा, बूंदी एवं झालावाड़ को आदेश जारी किए है।

साथियों बात अगर हम शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयासों की करें तो, चूंकि मैं भी गोंदिया राइस सिटी की एक प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान का हाईकोर्ट के आदेश पर चैरिटी कमिश्नर द्वारा बनाया गया मेंबर हूं, मेरा मानना है कि शिक्षा संस्थान में किसी संस्था, पंचायत या किसी बढ़ते सामाजिक सेवा समिति या किसी विशेष संस्था की दखलंदाजी नहीं होनी चाहिए, संस्थान के टीचरों को किसी बढ़ते सामाजिक सेवा समिति का सदस्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि वह सेवा समिति इन टीचरों व हेड मास्टर के कंधों का उपयोग या इस्तेमाल कर शैक्षणिक संस्थान में अपनी पैंठ बढ़ाने अपने विचारधारा चलाने की कोशिश करती है, या फिर कार्यकारिणी में किसे रखना है, किसे नहीं रखना है इसमें दखलअंदाजी करती है। वह अपने मेंबर कार्यकारी में फिट करने की कोशिश पर अपनी चलाती है,इन्हें बच्चों की शिक्षा से कोई लेना देना नहीं होना होता है, इसलिए सबसे पहले मास्टरों हेड मास्टरों को किसी भी बढ़ते सामाजिक सेवा समिति से इस्तीफा देने का फरमान देना जरूरी है, ताकि वे बच्चों की शिक्षा व गुणवत्ता परपूरा ध्यान दे सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत में संपूर्ण ग्रांटेड स्कूलों में सक्षम बड़े अधिकारियों द्वारा रेगुलर निरीक्षण की सख़्त ज़रूरत।डीएम द्वारा रेगुलर औचक निरीक्षण-स्कूलों में व्याप्त अनुशासनहीनता,समय का दुरुपयोग व स्टाफ की मनमानी को उजगार कर सख़्त कार्यवाही का सटीक तरीका।सभी राज्यों के जिला प्रशासन द्वारा आपसी समन्वय से ग्रांटेड स्कूलों में इंट्रा जिला औचक निरीक्षण की नीति अपनानें से भारी खामियां उजागार होने की संभावना है|

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

कार चलाने के खतरे!

कोलफील्ड मिरर 14 जुलाई 2024: सच मानिए, यह कार है बड़ी जालिम चीज ! इसे सड़कों पर चलाते ही यह आपकी जिंदगी को छोटा करना शुरू कर देती हैं । विश्वास कीजिए, कार चलाने से चिंता, क्रोध और अधीरता का जन्म होता है। आप उसे टाल नहीं सकते तथा आपके स्वास्थ्य पर निहायत खराब असर पड़ता है। वैज्ञानिकों ने इस बारे में काफी छानबीन की है। दशकों पूर्व पश्चिम जर्मनी में बोन विश्वविद्यालय के प्राध्यापक हरमन होकमां ने किये अपने प्रयोगों के आधार पर यह पता लगाया था कि कार चलाते समय होने वाली चिंता और अधिरता चालक के हृदय के रक्तचाप और उसकी नाड़ी की गति में असाधारण परिवर्तन कर देती है। इसी तरह लंदन की इंस्टीट्यूट आफ डायरेक्टर्स में चिकित्सा-अनुसंधान शाखा के निदेशक डॉ बेरिक राइट ने दो दशक पहले ही चेता दिया था कि कार चलाने वालों का स्वास्थ्य खतरें में है। इनके अनुसार कार चलाने के अविवेक पूर्ण व्यवहार से जिंदगी छोटी होने का खतरा बना रहता है।

देखिए न ! जो कार अभी तक आप के दाई और खड़ी थी, तेजी से आप का रास्ता काट कर बाई ओर मुड़ गई। आपने तुरंत ब्रेक न में लगाया होता तो दुर्घटना होने में भला कसर ही क्या रह गई थी। कार दुर्घटना तो नहीं हुई, लेकिन एक और अधिक भयंकर दुर्घटना हो गई। भयंकर इसलिए कि उसकों आपने फौरन महसूस नहीं किया, मगर कालांतर में वह आपकी जिंदगी को छोटा करके ही रहेगी। जिस समय वह कार रास्ता काट कर बाई और मुड़ी थी और उसके बाद थोड़ा आगे बढ़ने पर आपके सामने से आने वाली कार आप के दाहिने तरफ घुस आई थी, तब उन दोनों मौके पर आपके दिल और दिमाग की नसें तन गई थी और यही तनाव आपकी जिंदगी को छोटा कर बैठा। आगे से जब आपको किसी दूसरे कार चालक पर गुस्सा आए या आप सामने की कार से आगे निकलने की चेष्टा करने लगे, तो जरा अपनी गाड़ी की गति पर भी ध्यान दीजिएगा। कहीं यह बहुत तेज होकर आपको मरघट की ओर तो नहीं ले जा रही है ! बात बहुत बड़ी है, यदि आप भरोसा करें तो है बहुत सही ! यो मरघट की ओर तो देर सवेर से सबको जाना ही है, लेकिन अपनी ही कार पर चढ़कर और खुद उसे चला कर मरघट पहुंचना कोई अकलमंदी की बात तो नहीं। सिर्फ उस समय ही नहीं,जब चौराहे पर लाल बत्ती हो जाने के कारण आप कतार में बहुत पीछे रह गए थे, इतना पीछे की चौराहे पर की बत्ती हरी होने पर आपके आगे की सब कारें पार हो गयी और ज्यों ही आपकी कार चौराहे पर पहुंची, त्यों ही बत्ती फिर से लाल हो गई। आपने देखा नहीं, उस समय आपकी आंखें भी लाल हो गई थी। और आप अधीरता से तथा खींज से भर उठे थे। आपको याद होगा उस समय आपकी उंगलियां बड़ी बेताबी से स्टीयरिंग व्हील पर नाचने लगी थी और ब्रेक पर रखा आपका पांव बेहद तनाव की हालत में था। जो काफी देर तक तथा तनाव की हालात में कार चलाते हैं, उनकी दाएं और बायें पांव के सुन्न होने का खतरा हमेशा बना रहता है । आपने कभी देखा है कि जब आप अपनी कार से उतर कर जमीन पर खड़े होते हैं तो प्रायः काफी देर तक और दूर तक आपके कदम सीधे नहीं पढ़ते ,आप लड़खड़ाते-से जाते हैं। मालूम है क्यों ? कार चलाने से आपकी टांगों पर बेहद तनाव पड़ा है और आपके शरीर की उस समूची नाडी-व्यवस्था पर भी जो आप को संतुलित रखती है। डॉक्टरों ने इस बीमारी का नाम "मोटरिस्ट्स फुट" रखा है।

आजकल बड़े शहरों में सड़कों पर काफी भीड़ भाड़ रहने लगी है, जिससे कार चालकों को काफी परेशानी होती है। मान लीजिए, एक सज्जन बड़े इत्मीनान से टहलते हुए सड़क पार कर रहे हैं। आपके लाख हार्न में बजाने का उन पर कोई असर नहीं पड़ा, लेकिन क्या आप पर भी इसका कोई असर नहीं पड़ा है ? ऐसा कैसे हो सकता है ! आप खींज उठे हैं , भले ही ठहाका लगाकर आपने अपनी खींज को छिपा लिया हो, मगर वह आप को नुकसान पहुंचा चुकी है। इस उत्तेजना से आपकी समस्त आंतरिक ग्रंथियां अतिरिक्त द्रव्यों का स्राव करने के लिए विवश हो गई है। यदि आप खाली पेट हैं तो शीघ्र ही आंतो में जलन और दर्द महसूस करेंगे, किंतु यदि भोजन करके निकले हैं तो आपके पेडू में ऐंठन शुरू हो जाएगी। आपके पाचन शक्ति बिगड़ रही है और आप कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि आप कार चलाना छोड़ नहीं सकते।

शारीरिक श्रम करने वालों की अपेक्षा कुर्सी में बैठकर काम करने वाले लोग इस तनाव से ज्यादा पीड़ित रहते हैं । कार चलाने वालों की व्याधियां आधुनिक सभ्यता की देन है। एक जमाना था जब आदमी खाने की तलाश में मिलो पैदल चलता और शिकार के पीछे सरपट दौड़ता था, मगर आज हालत यह हो गई है कि यदि लोकल में आधा मील दूर जाना हो तो भी कार वाले बिना कार नहीं जा सकते। कार चलाने वालों को अपने मुकाम पर पहुंचकर भी गहरे तनाव का सामना करना पड़ता है। यदि आप दिल्ली या मुंबई जैसे शहर में हो, कार खड़ी करने की समस्या आसानी से हल नहीं की जा सकती। आपके पास समय कम है और कार खड़ी करने के लिए जगह मिल नहीं रही है, फिर अंत में जगह मिल भी गई तो जहां आपको जाना है, वो वहां से आधा मील दूर। ऐसी स्थिति में परेशान होना और तनाव महसूस करना स्वाभाविक है।

कुछ लोग सोचते हैं कि धीमी गति से चलने की अपेक्षा तेज रफ्तार से कार चलाने वाले लोगों को अधिक तनाव होता होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। वैज्ञानिकों ने परीक्षण करके पता लगाया है है कि खुली सड़क पर 60 मील प्रति घंटा की रफ्तार से कार चलाने वालों को इतना तनाव नहीं होता, जितना भीड़भाड़ वाली सड़क पर 20 या 30 मील प्रति घंटा की गति से चलाने वालों को।

आमतौर पर यह देखा गया है कि लोग कार चलाने के आदतमंद हो जाते हैं, उनमें आलस्य की मात्रा बढ़ जाती है और वे धीरे-धीरे मोटे होते जाते हैं जिससे उनकी उम्र कम होती चली जाती है। वैज्ञानिक जांच में ज्ञात हुआ है कि तीस वर्ष की उम्र में जो दुबले-पतले होते हैं उनमें से नब्बें प्रतिशत साठ बरस तक आसानी से जी लेते हैं, लेकिन जो लोग इस उम्र में मोटे हो जाते हैं, उनमें से केवल दो तिहाई ही साठ की ड्योढ़ी छु पाते हैं। घंटों तक स्टीयरिंग व्हील थामें में रहने वाले व्यक्ति की कमर अनायास ही झुक जाती है। एक वर्ष तक कार चलाने के बाद आपके पेडू के पुट्ठे सिकुड़ जाएंगे और कंधे ढलकने लगेंगे। पेडू के पुट्ठे सिकुडने से आंतों पर दबाव पड़ेगा और आप कब्ज़ से पीड़ित रहने लगेंगे। डॉक्टरों का मत है कि कार चलाने वाले लोगों में से अधिकांश गैस की बीमारी से पीड़ित रहते हैं।

ब्रिटेन जैसे विकसित देशों के डॉक्टरों का कहना है कि उनके 75 प्रतिशत मरीज कार चलाते हैं और वे सब के सब निर्विवाद रूप से प्रशांतको तथा शरीर को साधे रखने वाली दवाओं की मांग करते रहते हैं । अच्छे डॉक्टर उन्हें दवा देने की बजाय विश्राम की सलाह देते हैं।

जाहिर है कि लोग कार चलाना बंद नहीं कर सकते, इसलिए इन तनावों के प्रभावों को कम करने का एक ही रास्ता है कि कार चलाते समय मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रसंन्नचित तथा ढीला रहा जायें।

कार चलाने वालों की अपेक्षा बस चालक अधिक स्वस्थ रहते हैं । इसका कारण यह है कि वे आम तौर पर अधिक सहनशील तथा खुश रहने के अभ्यस्त हो जाते हैं। उन्होंने अपना एक दर्शन बना लिया है कि "मुकाम पर पहुंचना है, कोई जान थोड़ी ही देनी है।"

अच्छा तो यही है कि आप बस चालको के "जियो और जीने दो" सिद्धांत पर अमल कर सके, इससे आपकी उम्र छोटी नहीं होगी। शायद आपने किसी स्कूटर -टेक्सी के पीछे लिखा देखा हो "जियो और जीने दो।"

ऋतुराज बुड़ावनवाला